तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 16.2 डिग्री

हरिभूमि

बिलासपुर भूमि

बिलासपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

बिल्हा | मस्तूरी | तखतपुर | मुंगेली | कोटा | लोरमी | सरगांव | पेंड्रा | बेलतरा | रतनपुर | पथरिया

बिलासपुर प्रेस क्लब में 14 फ़रवरी को विशाल लीवर जांच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए।

खबर संक्षेप

जेपी वर्मा कालेज में काव्यगोष्ठी आज

बिलासपुर। राष्ट्रीय कवि संगम मंच की शहर इकाई एवं प्रयास प्रकाशन साहित्य अकादमी द्वारा जेपी वर्मा महाविद्यालय के संभागार में 15 फरवरी को पर्यावरण विमर्श सह बसंतोत्सव काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेई विश्व विद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेई का एकल काव्यपाठ एवं सम्मान कार्यक्रम रखा गया है। डॉ राघवेन्द्र दुबे एवं अंजनी कुमार तिवारी ने अधिक से अधिक लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया गया है।

धूप में तेजी, तापमान भी चढ़ा, ठंड गायब

बिलासपुर। फरवरी का आधा महीना बीत चुका है, ऐसे में धूप में भी तेजी देखी जा रही है। पिछले दो दिनों से तापमान भी चढ़ने लगा है और ठंड पूरी तरह से गायब हो चुकी है। मौसम जानकारों के मुताबिक प्रदेश में ठंड की विदाई हो चुकी है वहीं अधिकतम तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। आसमान साफ होने के कारण सुरज की किरणें अब चुभने लगी है, एक घंटे से अधिक धूप में रहना लोगों के लिए भारी पड़ रहा है। आने वाले दिनों में तापमान ओर भी चढ़ने की आशंका बनी हुई है।

युवाओं के लिए दो दिवसीय स्वरोजगार मेला 19 से

बिलासपुर। जिले के युवाओं, उद्यमियों एवं स्वरोजगार के इच्छुक नागरिकों के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय स्वरोजगार मेला का आयोजन 19 एवं 20 फरवरी को सवेरे 10 बजे से देवकीनंदन दीक्षित सभागार लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर में किया जा रहा है। इस मेले में राज्य शासन की छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत उद्योग एवं सेवा इकाइयों को स्थापना पूर्व तथा स्थापना पश्चात प्रदान किए जाने वाले विभिन्न अनुदान एवं रियायतों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उद्योग विभाग द्वारा संचालित केंद्र शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

गांवों में लगेगा एग्रीस्टेक पंजीयन शिविर कल से

बिलासपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को लाभ सुनिश्चित करने के लिए जिले में 16 फरवरी से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर एक माह तक संचालित होंगे और जिले के प्रत्येक गांव में लगाए जाएंगे। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर आयोजित इन शिविरों में एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन एवं किसानों का ई-केवाईसी किया जाएगा। जिले में लगभग 25 हजार किसान अभी भी एग्री स्टेक पोर्टल में पंजीयन से वंचित हैं, जिसके कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिविर पूर्णतः निःशुल्क होंगे और ग्राम पंचायत अथवा अन्य शासकीय भवनों में आयोजित किए जाएंगे। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं लोक सेवा केंद्र के प्रतिनिधि शिविर में उपस्थित रहेंगे। शिविर दो चरणों में संचालित किए जाएंगे तथा अधिकारी सप्ताह में दो बार प्रत्येक गांव का दौरा करेंगे। किसानों को शिविर में केवल अपना आधार कार्ड और मोबाइल नंबर साथ लाना होगा। मौके पर ही उनका पंजीयन और ई-केवाईसी पूर्ण कर दी जाएगी, जिससे उन्हें योजना का लाभ मिलना प्रारंभ हो सकेगा।

जमीन के बाजार मूल्यों की नई गाइड लाइन लागू, नगरीय में 50 व ग्रामीण क्षेत्रों में सौ फीसदी की औसत बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ गाइड लाइन दरों का निर्धारण नियम के प्रावधानों के तहत केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड के अनुमोदन पश्चात शासन ने बिलासपुर जिले के लिए अचल संपत्ति के बाजार मूल्य के संबंध में नई गाइड लाइन लागू कर दी है। नई गाइड लाइन के अनुसार नगरीय क्षेत्रों में 50 फीसदी व ग्रामीण क्षेत्रों में 100 फीसदी जमीन की कीमतों में औसत वृद्धि हुई है। वहीं नवंबर माह में जो गाइड लाइन जारी हुई थी, उससे पुनरीक्षण गाइड लाइन में जमीन की शासकीय दर घटाई गई है।

खास खबर

जिला मूल्यांकन समिति द्वारा अचल संपत्ति जमीन के पुनरीक्षण गाइड लाइन दर का जो प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, उसे केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने अनुमोदित करते हुए नई गाइड लाइन दर लागू कर दी है और अब जिले के पंजीयन कार्यालयों में नई गाइड लाइन दर के हिसाब से जमीन की रजिस्ट्री होगी। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में औसत 100 फीसदी और नगरीय क्षेत्रों में औसत 50 फीसदी कीमत बढ़ाई गई है। वहीं बिलासपुर शहर में गाइड लाइन में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की गई है और करीब 20 प्रतिशत जगहों पर दरों में बढ़ोतरी की गई है।

शहर के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों जहां विकास ज्यादा हो रहे हैं या आवासीय कालोनियां, प्लाटिंग हो रही है उन जगहों पर भी कीमत वृद्धि हुई है।

राज्य शासन ने 2019-20 में अचल संपत्ति के बाजार मूल्य के संबंध में गाइड लाइन जारी की थी, उसके बाद कई सालों तक नई गाइड लाइन नई आई थी। पिछले वर्ष नवंबर 2025 में शासन ने नई गाइड लाइन जारी की थी, जिसमें 200 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत गाइड लाइन दर बढ़ा दी गई थी, जिसे लेकर काफी विरोध भी हुआ था और शासन को फिर से गाइड लाइन पुनरीक्षण कराकर वर्ष 2026 में नई गाइड लाइन जारी करना पड़ा है।

■ पुनरीक्षित गाइड लाइन दर के अनुसार होगी जमीन की रजिस्ट्री

■ नवंबर में जारी गाइड लाइन से घटाई गई अचल संपत्ति की दर

कहां कितनी वृद्धि ऐसे समझें

- जिले अंतर्गत रायपुर रोड तरफ छतौना में वर्ष 2019-20 में रोड किनारे की जमीन की कीमत 94 लाख हेक्टेयर और भीतर 25 लाख 64 हजार थी, जिसे नवंबर में क्रमशः 1 करोड़ 53 लाख व 1 करोड़ किया गया था, उसे अब रोड किनारे 1 करोड़ 53 लाख और भीतर 56 लाख रुपए हेक्टेयर कीमत तय की गई है।
- कोटा रोड में मोहनभाठा में वर्ष 2019-20 में रोड किनारे की जमीन की कीमत 40 लाख 35 हजार हेक्टेयर और भीतर 16 लाख 21 हजार थी, जिसे नवंबर के गाइड लाइन में क्रमशः 1 करोड़ 10 लाख व 65 लाख किया गया था। नई गाइड लाइन में रोड किनारे 85 लाख और भीतर 35 लाख रुपए हेक्टेयर कीमत तय की गई है।
- तखतपुर मार्ग में हॉफा क्षेत्र में वर्ष 2019-20 में सड़क किनारे की जमीन की कीमत 50 लाख 32 हजार रुपए हेक्टेयर और भीतर 18 लाख 14 हजार थी, जिसे नवंबर के गाइड लाइन में क्रमशः 1 करोड़ 60 लाख व 1 करोड़ 10 लाख किया गया था।

नई गाइड लाइन में अब कीमत रोड किनारे 1 करोड़ 28 लाख एवं भीतर 40 लाख हेक्टेयर की गई है।

- गनियारी क्षेत्र में वर्ष 2019-20 में रोड किनारे की जमीन की कीमत 35 लाख 15 हजार भीतर 22 लाख थी, जिसे नवंबर माह में क्रमशः 1 करोड़ 34 लाख और 88 लाख प्रति हेक्टेयर किया गया था। अब नई गाइड लाइन में रोड किनारे की कीमत 75 लाख व भीतर 48 लाख रुपए की गई है।
- रमतला क्षेत्र में वर्ष 2019-20 में रोड किनारे की जमीन की कीमत 44 लाख भीतर 34 लाख प्रति हेक्टेयर थी, जिसे नवंबर में क्रमशः 1 करोड़ 75 लाख व 1 करोड़ 40 लाख किया गया था। अब रोड किनारे की जमीन की कीमत 1 करोड़ 10 लाख एवं भीतर 90 लाख रुपए हेक्टेयर की गई है।
- रतनपुर रोड में मदनपुर में वर्ष 2019-20 में रोड किनारे की जमीन की कीमत 25 लाख भीतर 14 लाख हेक्टेयर थी, जिसे नवंबर माह में क्रमशः 75 लाख और 50 लाख किया गया था। नई गाइड लाइन में रोड किनारे की जमीन की कीमत 57 लाख व भीतर 35 लाख हेक्टेयर की गई है।

वित्तीय वर्ष के पहले लागू हो रही नई दर

पंजीयन विभाग में पुराने वित्तीय वर्ष समाप्त होने और नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत 1 अप्रैल से नई गाइड लाइन लागू की जाती थी। लेकिन शासन ने वर्षो पुरानी व्यवस्था को बदल दिया है और इस बार शासन चालू वित्तीय वर्ष के बीच में ही नई गाइड लाइन दर लागू कर रहा है। नई गाइड लाइन का प्रस्ताव तैयार कर जिला मूल्यांकन बोर्ड से जैसे-जैसे भेजा जा रहा है वैसे-वैसे केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड उसका अनुमोदन कर लागू करते जा रही है।

छग के इन पांच जिलों में नई गाइड लाइन लागू

शासन द्वारा अभी तक प्रदेश के इन जिलों में नई गाइड लाइन दर लागू की जा चुकी है। सबसे पहले रायपुर और कोरबा जिले के लिए गाइड लाइन 30 जनवरी को आई थी। उसके बाद 4 फरवरी को तीन और जिलों धमतरी, बलौदाबाजार व गरियाबंद के लिए नई गाइड लाइन जारी की गई। इसके बाद बिलासपुर जिला सहित सारंगढ़, कोरिया जिले के लिए गाइड लाइन जारी की गई है।

13 एकड़ क्षेत्र में बन रहे एजुकेशन हब का काम धीमा

केन्द्र से रुकी राशि, 100 करोड़ में से 27 करोड़ रुपए ही मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दयालबंद के मधुबन क्षेत्र में 13 एकड़ क्षेत्र में करीब 100 करोड़ की लागत से एजुकेशन हब बनाया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम, शासन और रेलवे की भूमि का चयन करते हुए ले-आउट भी फाइनल किया जा चुका है। एजुकेशन हब के लिए पहली किश्त के रूप में 27 करोड़ रुपए की राशि मिल गई है। इस राशि से प्रशासनिक भवन के दो ब्लाक और एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जा रही है। एक प्रशासनिक भवन में 16 बड़े हाल रहेंगे। इस तरह 32 बड़े हाल कोचिंग सेंटरों को दिए जाएंगे। लाइब्रेरी नालंदा परिसर की तर्ज पर बनाया जा रहा है। इसमें 500 स्टूडेंट एक साथ पढ़ाई कर सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक दूसरे चरण की राशि के लिए शासन के पास प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

■ दूसरे चरण की राशि के लिए केन्द्र के पास भेजा गया प्रस्ताव

दरअसल निगम का मानना है कि शहर के अधिकांश निजी कोचिंग संस्थान दयालबंद क्षेत्र के आसपास स्थित हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकारी क्षेत्र में इस एजुकेशन हब की योजना बनाई गई है, ताकि सामान्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। बिलासपुर स्मार्ट सिटी के मुताबिक एजुकेशन हब की स्थापना के लिए स्मार्ट सिटी और डीएमएफ फंड का उपयोग किया जाएगा। इसमें छात्रों के लिए लाइब्रेरी, कैंटीन और रहने के लिए सर्वसुविधायुक्त कमरे, कोचिंग हॉल आदि के तीन ब्लॉक बनाए जाएंगे। फिलहाल पूरा काम सुशांत राय एंड कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

50 हजार छात्रों को मिलेगा फायदा

स्मार्ट सिटी के मुताबिक यह मध्य भारत का सबसे बड़ा एजुकेशन हब होगा। 13 एकड़ क्षेत्र में फैली एक ऐसी जगह जो छात्रों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को समर्पित होगी, जहां नालंदा परिसर, कोचिंग के लिए हॉल स्टेप, ऑडिटोरियम, हॉस्टल, गार्डन, पार्किंग, कैफेटेरिया और खेल मैदान होगा। दावा है कि पूर्ण रूप से शैक्षणिक माहौल से परिपूर्ण एजुकेशन सिटी के निर्माण से बिलासपुर ही नहीं बल्कि प्रदेश के लगभग 50 हजार छात्रों को इसका लाभ मिलेगा, क्योंकि पूरे छत्तीसगढ़ समेत अन्य प्रदेशों से छात्र बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने बिलासपुर आते हैं।

48 कोचिंग हॉल, शौचालय व कैंटीन

फिलहाल जो राशि जारी हुई है उससे निगम के मुताबिक 1500 छात्रों के लिए तीन एकेडमिक ब्लॉक के निर्माण का वर्क ऑर्डर भी जल्द ही जारी कर दिया है। निगम के अनुसार 27 करोड़ रुपए की लागत से एक साल के भीतर 48 कोचिंग हॉल, शौचालय और कैंटीन सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण जल्द पूरा कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले मिशन अस्पताल परिसर में नालंदा परिसर बनाने की बात थी लेकिन फिलहाल वह मामला लंबित है।

योजना में यह सब शामिल होंगे

निगम अधिकारियों ने बताया की इस एजुकेशन सिटी में 500 विद्यार्थी क्षमता का नालंदा परिसर बनाया जाएगा, जिसमें लगभग 500 छात्र छात्राएं एक साथ बैठकर फिजिकल एवं डिजिटल लाइब्रेरी का लाभ ले सकेंगे। इस एजुकेशन सिटी में छात्र-छात्राओं के मोटिवेशन और शैक्षणिक उद्देश्य से एक 700 सीटर कैपेसिटी का आधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा। 1000 विद्यार्थी क्षमता वाले हॉस्टल, एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान, गार्डन, मल्टी लेवल पार्किंग सहित तीन बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 48 हॉल सेटअप में एक साथ 4,800 विद्यार्थियों के कोचिंग क्लास अटेंड करने की सुविधा रहेगी।

बनाया जाएगा नालंदा परिसर

इस एजुकेशन सिटी में 500 विद्यार्थी क्षमता का नालंदा परिसर बनाया जाएगा, जिसमें लगभग 500 छात्र छात्राएं एक साथ बैठकर फिजिकल एवं डिजिटल लाइब्रेरी का लाभ ले सकेंगे। छात्र-छात्राओं के मोटिवेशन और शैक्षणिक उद्देश्य से एक 700 सीटर कैपेसिटी का आधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा। दूसरे चरण की राशि के लिए शासन के पास प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

- खचांगी कुम्हार, अपर आयुक्त, नगर निगम

चाकू अड़ाकर छात्र का अपहरण दो नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

■ गर्लफ्रेंड से बात करने का आरोप लगाकर की वारदात

■ स्कूली बच्चे कर रहे अपराध

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छुट्टी के बाद घर जा रहे छात्र का नाबालिग युवकों ने गर्ल फ्रैंड से बात करने का आरोप लगाते हुए चाकू अड़ाकर अपहरण कर लिया, फिर उसे कार से सुनसान जगह में ले जाकर बेसबाल बेट से जमकर पिटाई की। पुलिस ने दो नाबालिग सहित तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

सिविल लाइन टीआई एसआर साहू ने बताया, अमेरी रोड देवेन्द्रनगर निवासी युवक सेंट फ्रांसिस स्कूल का छात्र है। 11 फरवरी को सुबह वह स्कूल गया था। दोपहर 12.3 बजे छुट्टी होने पर घर लौट रहा था। इसी दौरान सिंधी कालोनी निवासी लक्ष्य आहुआ दो नाबालिग दोस्तों के साथ टाटा सफारी क्रमांक सीजी 10 एन, 7511 में उसके पास पहुंचे। गाड़ी से उतरने के बाद गर्लफ्रेंड से बात करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने छात्र के गले में चाकू अड़ा दिया, साथ ही शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए कार में बैठा लिया। उसके बाद सुनसान जगह गोविंदम पैलेस के पीछे लेकर तीनों ने हाथ थप्पड़, बेसबाल बेट से जमकर मारपीट की। उसके बाद तीनों कार लेकर भाग गए। छात्र ने पिता के बाहर होने पर घटना की जानकारी किसी को नहीं दी। 13 फरवरी को उसके पिता बाहर से घर आए तब उसने उन्हें घटना की जानकारी दी।

पिता अपने बेटे को लेकर सिविल लाइन थाना गए और घटना की रिपोर्ट लिखाई। पुलिस ने उनकी रिपोर्ट पर मारपीट, अपहरण का मामला दर्ज कर लिया। 14 फरवरी को पुलिस ने हमलावर लक्ष्य आहुजा व दो नाबालिगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हेरोइन सप्लायर पंजाब से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बिलासपुर को उड़ता पंजाब बनाने के लिए हेरोइन की सप्लाई करने वाले सप्लायर को पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम उसे ट्रांजिट रिमांड में शहर लेकर आ रही है।

आरोपी

पिछले दिनों एसीसीयू टीम ने हिर्री माइंस क्षेत्र में दबिश देकर मोहित हिंदुजा पिता टीकम दास 32 साल चकरभाठा वार्ड 7, करन दीप सिंह पिता सुखविंदर सिंह 29 साल, आर रजिंदर कुमार पिता मुख्तियार लाल खेमकरण तरनतारन पंजाब निवासी को पकड़कर 34 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। पूछताछ में आरोपी खेमकरण ने पंजाब से हेरोइन लाकर बेचना बताया था। सीएसपी निमितेश सिंह परिहार के निर्देश पर एण्ड टू एण्ड की कार्रवाई करते हुए तकनीकी साक्ष्य एकत्रित करने के बाद मेन सप्लायर को पकड़े चकरभाठा थाना के एएसआई मोहन सोनी, भागवत चंद्राकर एवं अन्य पंजाब के लिए रवाना हुए थे।

पुलिस ने मुख्य सप्लायर खेमकरन तरनतारन पंजाब निवासी बाला उर्फ बलराम सिंह सनियारे पिता प्रीतम सिंह 63 साल को पकड़ लिया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड लेकर शहर आ रही है।

ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से होती सप्लाई

आरोपी मुख्य सप्लायर बलराम उर्फ बल्ला सनियर पाकिस्तान बार्डर से 3 किलो मीटर पहले रहता है और ड्राइवरी करता है। बताया जाता है पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से उसके पास हेरोइन आती थी और वह उसे बेचा करता था। पूर्व में पंजाब तरनतारन पुलिस व बीएसएफ ने ज्वांइट आपरेशन चलाकर ड्रोन के साथ हेरोइन जब्त किया था।

जोगीपुर में अभयारण्य तैयार करने शासन ने जारी की राशि

आवारा पशुओं के लिए गौ अभयारण्य बनाने मिले सवा करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जोगीपुरकोटा में गौ अभयारण्य बनाने की तैयारी की जा रही है। शासन द्वारा अभयारण्य तैयार करने के लिए 1.29 करोड़ की राशि भेज दी गई है। विद्युत विभाग, पीएचई, कृषि अभियांत्रिकी एवं पीडब्ल्यूडी विभाग फिलहाल एजेंसी के रूप में विद्युत व्यवस्था, पेयजल, भवन निर्माण एवं भूमि समतलीकरण से संबंधित कार्य करते हुए अभयारण्य की प्रारंभिक नीव स्थापित करेंगे।

■ आवारा पशुओं की हो सकेगी देखभाल

सड़क पर आवारा पशुओं की पहचान लेकर घूम रहे गौ वंशों को भी जल्द ही घर नसीब हो सकेगा। कोटा ब्लॉक के जोगीपुर गांव में गौ अभयारण्य बनाने के लिए सरकार ने सवा करोड़ की राशि जारी की है। इस राशि से अभयारण्य के भीतर आवश्यक सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिले में न केवल शहर, बल्कि गांवों में भी आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिसको लेकर अनेक बार छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के द्वारा भी प्रशासन को फटकार लगाई जा चुकी है। ऐसे में गौ अभयारण्य की स्थापना काफी हद तक मददगार साबित हो सकती है।

सड़कों पर छोड़ दिए गए आवारा कहलाने वाले पशुओं को अभयारण्य के भीतर रखकर उनकी सेवा की जा सकेगी। यहां न्यूनतम दो सौ पशुओं को रखे जाने की बात कही जा रही है। हालांकि यहां फिलहाल किसी भी तरह के कर्मचारियों की भर्ती नहीं की गई है, जिससे इसके संचालन को लेकर संशय है, लेकिन यह तय है कि राशि प्राप्त हो जाने के बाद चार कार्य एजेंसियों द्वारा सुविधाओं के विस्तार को लेकर अपना काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

प्रदेश का दूसरा गौ अभयारण्य होगा

कोटा ब्लॉक के जोगीपुर गांव में स्थापित किया जाने वाला यह अभयारण्य प्रदेश का दूसरा गौ अभयारण्य होगा। इससे पहले बेमेतरा के झामल गांव में गौ अभयारण्य की स्थापना की जा चुकी है। बेमेतरा में अभयारण्य का संचालन पशुपालन विभाग के माध्यम से शासन द्वारा ही किया जा रहा है। इसके विपरीत बिलासपुर जिले में गौ अभयारण्य का संचालक कौन होगा? इसके संचालन की जिम्मेंदारी एनजीओ को दी जाएगी या स्व सहायता समूहों के हाथों में कमान सौपनी है? या फिर यहां भी पशुपालन विभाग ही संचालन करेगा? इस संबंध में फिलहाल किसी तरह का निर्णय नहीं लिया जा सका है।

156 एकड़ क्षेत्र में न्यूनतम 2 सौ पशुओं की होगी देखभाल

जोगीपुर में स्थापित होने वाला गौ अभयारण्य 156 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा, जिसकी फैंसिंग के भीतर न्यूनतम दो सौ पशुओं को रखे जाने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकतम की फिलहाल संख्या तय नहीं की गई है। विभाग के अनुसार अभयारण्य में इतने पशु भी नहीं रखे जाएंगे, जिससे यहां सुरक्षा के बजाए पशुओं की स्थिति गंभीर हो जाए व इन्हें भोजन व पानी के लिए तरसना पड़े।

आवश्यक सुविधाएं दी जाएंगी

जोगीपुर कोटा में गौ अभयारण्य की स्थापना के लिए शासन द्वारा 1.29 करोड़ की राशि दी गई है। इस राशि से 156 एकड़ क्षेत्र में अभयारण्य के भीतर आवश्यक सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। बेमेतरा के झामल के बाद यह प्रदेश का दूसरा गौ अभयारण्य होगा। इसके संचालन के संबंध में फिलहाल किसी तरह के स्पष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं।

- जीएस तंवर, संयुक्त संचालक पशुपालन विभाग

वनपाल के तबादले पर कोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर। वन वृत्त बिलासपुर के मुख्य वन संरक्षक ने बिलासपुर वन मंडल के बेलतरा परिक्षेत्र के वनपाल का ट्रांसफर मुंगेली वन मंडल में कर दिया। वन पाल ने सीसीएफ के आदेश के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई, जिसके बाद कोर्ट ने वनपाल के ट्रांसफर पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी है।

बिलासपुर वन वृत्त के मुख्य वन संरक्षक ने बेलतरा के डिप्टी रेंजर को हटाने का आदेश दिया था। वहीं वेद प्रकाश शर्मा के स्थान पर वनपाल लोकमणी त्रिपाठी को परिक्षेत्र सहायक बेलतरा में अस्थायी रूप से पदस्थ कर दिया गया। सीसीएफ के आदेश के खिलाफ बेलतरा के वनपाल और परिक्षेत्र सहायक ने हाईकोर्ट की शरण ली। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बेलतरा के परिक्षेत्र सहायक वेदप्रकाश शर्मा के मुंगेली वन मंडल में ट्रांसफर पर रोक लगाने का आदेश दिया है। वहीं कोर्ट में अगली सुनवाई की तारीख 23 मार्च को रखी गई है।

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के कैलेंडर का विमोचन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के उप प्रांताध्यक्ष डॉ अशोक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार श्रीवास, जिला सचिव संतोष तिवारी, जिला उपाध्यक्ष शिव श्रीवास ने छग शिक्षक संघ के चार पुरुषार्थों - राष्ट्रीय हित, शिक्षा हित, शिक्षार्थी हित एवं शिक्षक हित की गौरवशाली परंपरा को ध्यान में रखते हुए कैलेंडर तैयार करवाया गया जिसमें कलेक्टर द्वारा घोषित अवकाश, सामान्य अवकाश व ऐच्छिक अवकाश की सूची समाहित की गई है। कैलेंडर का विमोचन आज बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला की उपस्थित में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. एम एल पटेल, अनिल गौरहा, संतोष तिवारी, राजेंद्र कुमार श्रीवास, डॉ एके गुप्ता, शिवकुमार श्रीवास, जे पी ध्रुव, रोहित मांगे, राजेश कश्यप, अजय कुमार तिवारी, ईश्वर तिवारी आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने मनाई पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पं. श्यामा चरण की पुण्यतिथि

बिलासपुर। जिला कांग्रेस कमेटी (शहर/ग्रामीण) द्वारा 14 फरवरी को कांग्रेस भवन में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पंडित श्यामा चरण शुक्ला की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम के संयोजक सैयद जफर अली ने बताया कि पंडित श्यामा चरण शुक्ला अविभाजित मध्यप्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री बने उन्हें सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला। इस अवसर पर हरीश तिवारी, जितेंद्र पांडे, राकेश शर्मा,संतोष गर्ग,हितेश देवांगन,सुभाष ठाकुर ,गौरव एरी,मोहम्मद अयूब, माधव उत्तलवार, राजेश शर्मा सुनील पांडे, सुदेश नंदनी, करम गोरख, शाहनवाज खान,दीपक राचेलवार, मनोज सिंह,सत्येंद्र तिवारी, त्रिभुवनलाल कश्यप,जिग्नेश जैन,चंदनसिंह ठाकुर, शुभलक्ष्मी सिंह, रखेंद्र तिवारी, हैरी डेनियल कौशिक आदि मौजूद थे।

डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी में लोक में राम 2026 का आयोजन

लोक कला महोत्सव में गूंजी संस्कृति की सरगम

कार्यक्रम का उद्घाटन करते विधायक धर्मजीत सिंह एवं कुलाधिपति संतोष चौबे।

कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय रमन लोक कला महोत्सव 'लोक में राम 2026' के दूसरे दिन कार्यक्रमों की शुरुआत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक भजन मंगलाचरण से हुई, जिसकी प्रभावी प्रस्तुति विद्यार्थियों ने दी।

पुसौर की 200 वर्ष पुरानी रामलीला मंडली ने बाली–सुग्रीव युद्ध का सजीव मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बस्तर के सुकमा से आए सहदेव नाग और उनके साथियों ने धुरवा मड़ई नृत्य तथा चंद्रगिरी धुरवामणि नाच की आकर्षक प्रस्तुति दी। अग्रज नाटक दल ने श्रुति नाट्य का मंचन किया, वहीं श्री वैष्णव समूह की ओर से शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें ज्योति वैष्णव ने राम के अरण्यकांड की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। जगदलपुर के जयप्रकाश एवं साथियों ने भतरा लोक नाट्य से बस्तर की सांस्कृतिक समृद्धि को मंच पर साकार कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि आज पूरे विश्व में भारतीय जीवन शैली खासकर आदिवासी जीवन शैली को देखा जा रहा है और उसका अनुसरण किया जा रहा है। खासकर प्रकृति पूजा सहज जीवन शैली और व्यक्तित्व की सरलता इसका महत्वपूर्ण पहलू है। भारतीय जीवन शैली हमेशा मानवता की बात करती है। उन्होंने कहा कि लोक ही जीवन में रस प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ राज्य निश्चित रूप से खनिज संपदा और आर्थिक दृष्टि से समृद्ध है लेकिन इससे भी अधिक समृद्ध छत्तीसगढ़ अपनी लोक कला और संस्कृति के लिए है।

समाज को जोड़ती है लोक कलाः धर्मजीत

मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि लोककला समाज को जोड़ने का माध्यम है। राम की परंपरा लोकजीवन में रची-बसी है और ऐसे आयोजन सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि कल संस्कृत साहित्य भाषा लोक कला और छत्तीसगढ़ की जीवन शैली की सेवा सी सी रमन विश्वविद्यालय कर रहा है। अति विशिष्ट अतिथि राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि लोककला हमारी जड़ों से जुड़ने का सशक्त माध्यम है।

सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण जरूरीः कुलपति

विवि के कुलपति प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि अकादमिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि विवि की स्थापना को देश तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की जीवन शैली कला संस्कृति और साहित्य को भी युवाओं से जोड़ना है आभार प्रदर्शन जयति चटर्जी ने किया।

सांस्कृतिक इतिहास की पहचान पर संगोष्ठी

वैचारिक सत्र में "छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक इतिहास की पहचान" विषय पर विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए। राहुल सिंह ने कहा कि भाषा संवाद का माध्यम है और संस्कृति हमारी पहचान का आधार है। जी. एल. गायकवाड ने कहा कि संस्कृति परंपरा से चलती है। शशांक शर्मा व डॉ. आंचल श्रीवास्तव के शोधग्रंथ छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य परंपरा और रतनपुरिया गम्मत का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

वृद्ध आश्रम में मनाया मातृ पितृ पूजन दिवस

बिलासपुर। ऑल इंडिया लीनेस डिस्ट्रीक सीजी 1 स्वर्णिम छत्तीसगढ़ प्रांत के अंतर्गत लीनेस क्लब बिलासपुर समर्पण द्वारा टीम की क्लब एक्सटेंशन ऑफिसर एवं संरक्षक शशि आहूजा के मार्गदर्शन एवं अध्यक्ष मीनू उबेजा के नेतृत्व में 14 फरवरी को कल्याण कुंज वृद्ध आश्रम में मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया।

■ कल्याण कुंज वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों के साथ काटा केक

सभी वृद्ध माता एवं पिता की पूजा अर्चना की गई। उनके द्वारा केक कटिंग करवाया गया। उन्हें खाद्य सामग्रियां वितरित की गई। सभी वृद्ध जनों ने भजन कीर्तन एवं नृत्य द्वारा उत्साह प्रकट किया। टीम के सभी सदस्यों ने वृद्ध जनों के साथ भजन कीर्तन एवं नृत्य का आनंद लिया। सभी ने वृद्ध जनों से आशीर्वाद प्राप्त किए इस संपूर्ण कार्यक्रम में अध्यक्ष मीनू उबेजा, सचिव डिंपल छाबड़ा, कोषाध्यक्ष नीतू गुप्ता, उपाध्यक्ष नीतू सलूजा, अनामिका टांक, मीनू भोगल, सह सचिव शिल्पी राव, पिंकी सलूजा, टेमर संदीप कौर,पी.आर. ओ.रचना छाबड़ा, डी .पी. टी .आर .ओ .नीलू कस्तूरिया, बोर्ड ऑफिस डायरेक्टर निधि गुप्ता, स्वदेश सलूजा आदि मौजूद थीं।

आपकी सेहत के लिए सर्वोत्तम इलाज, समुचित देखभाल

32 INTACT
डेन्टल क्लीनिक
डॉ. सुधांशु त्रिपाठी B.D.S., FAGE (Manipal)
★ दूरबीन पद्धति द्वारा एवं डिजिटल दंत चिकित्सा प्रदान करने वाला शहर का एकमात्र संस्थान
★ पारदर्शी एलाइनर पद्धति द्वारा टेढ़े मेढ़े दाँत सीधा करना
डॉ. सुधांशु त्रिपाठी
B.D.S. FAGE (Manipal)
H2/44, नर्मदा नगर, सिद्ध शिखर अपार्टमेंट के सामने, बिलासपुर (छ.ग.)
07752359877, 7748087852

दूरबीन पद्धति से दंत चिकित्सा प्रदान करने वाला अग्रणी संस्थान
डॉ. सुधांशु त्रिपाठी B.D.S. FAGE (Manipal)
दंत चिकित्सा में माइक्रोस्कोप ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप की मदद से चिकित्सक रोगी के दांत के भीतर की सूक्ष्मतम बारीकियों को भी आसानी से देख सकते हैं। यह माइक्रोस्कोप नंगी आंखों से देखने की तुलना में 25 गुना तक आवर्धन कर सकता है, जिससे यह निदान और उपचार दोनों में उपयोगी होता है। इससे दाँतो में फिलिंग करने में सड़न की सफ़ाई बेहतर होती है जिससे की पकड़ मज़बूत होती है और फिलिंग उपरांत ठंडा गर्म लगने की शिकायत भी नहीं होती। कई ऐसे दाँत जिनमें रूट कैनाल एवं कैपिंग की आवश्यकता होती है उनका रूट कैनाल बेहतर होता है क्युकी माइक्रोस्कोप से हम नसों के अंदर तक देख सकते हैं जोकि नंगी आखों से देखा नहीं जा सकता, एवं कैपिंग के लिए दाँत जो ज़्यादा सूक्ष्मता से तैयार किया जा सकता है जिससे की कैप जिकलने की संभावना काफ़ी कम हो जाती है । माइक्रोस्कोप दंतचिकित्सा के लिए एक वरदान है जिससे केवल इलाज नहीं बल्कि समस्या सम्पूर्ण निदान संभव हो सका है।

एडवांस कायरोप्रैक्टिक, न्यूरोथेरेपी व फिजियोथेरेपी द्वारा उत्तम इलाज
मनमोहन तिवारी
फिजियोथेरेपी एवं कायरोप्रैक्टिक सर्विस प्रोवाइडर
10 वर्षों का अनुभव हमारा लक्ष्य है कि हम जल्द से जल्द लोगों को स्वस्थ करें। बिलासपुर में उपलब्ध हमारी एडवांस सेवाएँ नसों से संबंधित, हड्डी से संबंधित, सिर की चोटों, एक्सीडेंटल केयर, सीपी चाइल्ड जैसी सभी प्रकार की बीमारियों को कवर करती हैं। नस की अकड़न, जकड़न, सर्वाइकल और साइटिका जैसी समस्याओं का उचित इलाज प्रदान किया जाता है। 10 वर्षों के हमारे अनुभव के साथ, हम बिलासपुर में सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
कायरोप्रैक्टिक एडजस्टमेंट एक चिकित्सीय उपचार है कायरोप्रैक्टर अपने हाथों या विशेष उपकरणों का उपयोग करके हड्डी के संरचना को सही तरीके से बैठाते है। इस उपचार को स्पाइनल मैनिपुलेशन या जॉइंट मैनिपुलेशन भी कहा जाता है। कायरोप्रैक्टिक एडजस्टमेंट दर्द को कम करने, आपके शरीर के संरेखण को ठीक करने और आपके शरीर के शारीरिक कार्यों को सुधारने में मदद कर सकता है। कायरोप्रैक्टिक एडजस्टमेंट एक ऐसा उपचार प्रदान करता है जो आपको मिलने वाली पारंपरिक चिकित्सा देखभाल का पूरक है।

नारायण फिजियोथैरेपी एवं कायरोप्रैक्टिक सर्विस प्रोवाइडर
समस्याओं का उपचार
• जोड़ों का दर्द (गठिया)
• कोहनी में दर्द
• गर्दन में दर्द/जकड़न/चक्कर आना
• साइटिका (कमर से पंजे तक दर्द)
• घुटनों का दर्द
• फैक्चर एवं सर्जरी के बाद जकड़न
• मांसपेशियों में खिचांव
• कंधों का जाम व दर्द
• कमर में दर्द • स्लिप डिस्क
• चेहरे का लकवा • एड़ी में दर्द
• हाथ-पैरों में कंपन व सूनापन
• पैरालाइसिस (फालिसे)
मनमोहन तिवारी
फिजियोथैरेपिस्ट एवं कायरोप्रैक्टर सर्विस प्रोवाइडर
बिलासपुर शहर में न्यूरोथैरेपी एवं कायरोप्रैक्टिक की सुविधा घर पर ही उपलब्ध है।
पता :आसमां सिटी होम फेस-3 कृष्णा पब्लिक, स्कूल के पास, बिलासपुर
मो. नं. 9454214969, WhatsApp No.: 8874842587

R.K.CT SCAN/LOKPRIYA
SONOGRAPHY & X-RAY CENTRE
डॉ. रत्नेश कुमार सिंह
MBBS, M.D. (Radio-Diagnosis
Diploma-N.I.C.E.R. New Delhi
Ultrasonologist & C. T. Specialist
CONSULTANT IN IMAGING MEDICINE
सीटी स्कैन, सोनोग्राफी एवं डिजिटल एक्सरे सुविधा उपलब्ध
पता: प्रताप टॉकिज चौक, न्यू डॉक्टर्स कॉलोनी सरस्वती नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-223491, मो.: 9893150323

मूंदड़ा हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी से मरीजों का सम्पूर्ण उपचार
बदलती जीवनशैली, बढ़ती उम्र, दुर्घटनाएं और शारीरिक तनाव के कारण आजकल हड्डियों, जोड़ों और रीढ़ से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में बिलासपुर स्थित मूंदड़ा हॉस्पिटल ऑर्थोपेडिक उपचार और फिजियोथेरेपी सेवाओं के माध्यम से मरीजों को प्रभावी, सुरक्षित और संपूर्ण उपचार प्रदान कर रहा है। हड्डियों के फ्रैक्चर, जोड़ों के दर्द, लिगामेंट इंजरी, स्पाइन से संबंधित समस्याएं तथा दुर्घटना के बाद उत्पन्न जटिलताओं के इलाज में अस्पताल आधुनिक तकनीकों और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का उपयोग कर रहा है। यहां मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार सर्जिकल एवं नॉन-सर्जिकल दोनों प्रकार के उपचार उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे उन्हें बेहतर और दीर्घकालिक राहत मिल सके। मूंदड़ा हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक उपचार के साथ-साथ फिजियोथेरेपी को भी उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अस्पताल में उपलब्ध प्रमुख सेवाओं में शामिल हैं : जोड़ों से संबंधित उपचार लिगामेंट इंजरी का इलाजस्पाइन संबंधी समस्याओं का उपचार ट्रॉमा के बाद पुनर्वास फ्रैक्चर के बाद रिकवरी फिजियोथेरेपी विभाग मरीजों की रिकवरी में विशेष भूमिका निभाता है। यह न केवल दर्द कम करने में मदद करता है, बल्कि शरीर की सामान्य गतिविधियों को पुनः स्थापित करने, गतिशीलता बढ़ाने तथा मांसपेशियों को मजबूत बनाने में भी सहायक होता है। फिजियोथेरेपी के माध्यम से मरीजों को मिलते हैं : दर्द से राहत जोड़ों की गति में सुधार मांसपेशियों की मजबूती पोस्ट सर्जरी रिकवरी में सहायता चलने-फिरने की क्षमता में सुधार भविष्य की समस्याओं से बचाव ऑर्थोपेडिक उपचार और फिजियोथेरेपी के समन्वय से मरीजों को तेजी से स्वस्थ होने और सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिलती है। मूंदड़ा हॉस्पिटल में पात्र मरीजों के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ऑर्थोपेडिक सर्जरी एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं सुलभ हो रही हैं। मूंदड़ा हॉस्पिटल का उद्देश्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि मरीज को पूरी तरह से सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन की ओर वापस लाना है।
डॉ. आशीष मूंदड़ा
एम.बी.बी.एस. (डी. ऑर्थो)
अस्थि रोग विशेषज्ञ

अस्थि रोगों में तुरंत कराएं उपचार, अंग विकृति से बचें
डॉ. राजीव साखुजा
ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन
हड्डी के प्रमुख रोगों में ऑस्टियोपोरोसिस, फ्रैक्चर, गठिया, संक्रमण और बोन कैंसर शामिल हैं। ऑस्टियोपोरोसिस : हड्डियां कमजोर और भुरभुरी हो जाती हैं, जिससे फ्रैक्चर का खतरा बढ़ता है। फ्रैक्चर (अस्थिभंग) : चोट या कमजोरी के कारण हड्डी का टूटना या दरार पड़ना। पैजेट रोग : हड्डियों के सामान्य विकास में बाधा, जिससे हड्डियां विकृत हो सकती हैं। अर्थराइटिस (गठिया) : जोड़ों में सूजन, दर्द और जकड़न। फिजियोथेरेपी : जोड़ों की गतिशीलता और ताकत बढ़ाने के लिए विशेष व्यायाम। सपोर्टिव डिवाइस : कमजोर हड्डियों को सहारा देने के लिए ब्रेसेस, प्लास्टर, या बैसाखी का उपयोग। सर्जरी : गंभीर फ्रैक्चर, जोड़ों के प्रत्यारोपण, या ट्यूमर के मामले में सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है। मालिश/तेल : जोड़ों के दर्द में सरसों के तेल जैसी मालिश से आराम मिल सकता है। हड्डियों की समस्या के शुरुआती लक्षणों जैसे दर्द, सूजन, या जकड़न को नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से सलाह लें। दुर्घटना के बाद शरीर की मरम्मत के लिए की जाने वाली सर्जरी, जैसे टूटी हड्डियों को जोड़ना, फटी त्वचा को सिलना या नसों की मरम्मत करना, ट्रॉमा सर्जरी या प्लास्टिक सर्जरी के अंतर्गत आती है। इसका उद्देश्य जीवन बचाना, अंगों की कार्यक्षमता बहाल करना और विरूपता को ठीक करना है, जो अक्सर माइक्रोस्कोप और विशेषज्ञ तकनीकों द्वारा की जाती है।

Mundra Hospital
A Superspeciality Trauma Centre
14 वर्षों से आपका विश्वनीय
12,000 से अधिक सफल सर्जरी
डॉ. आशीष मूंदड़ा
एम.बी.बी.एस. (डी. ऑर्थो) अस्थि रोग विशेषज्ञ
संचालक एवं ऑर्थोपेडिक सर्जन
हमारी स्पेशलिस्ट टीम
डॉ. सोनाली मूंदड़ा — ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट
डॉ. इशरत जहीन हक — फिजियोथेरेपिस्ट
डॉ. सुमन कुमार नाग — आर्थोस्कोपिक सर्जन
डॉ. प्रज्ञा गुरूदीवान मिश्रा — डर्मेटोलॉजिस्ट
डॉ. दीपक मेघानी — लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. अभिषेक शाह — न्यूरोसर्जन
डॉ. रौनक कलवानी — प्लास्टिक सर्जन
डॉ. पी. इन्द्रजीत — डेंटल सर्जन
ऑर्थोपेडिक सर्जरी | लेप्रोस्कोपी सर्जरी
एण्डोस्कोपी सर्जरी | स्पाईन सर्जरी
प्लास्टिक सर्जरी | जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
लिगामेंट सर्जरी | न्यूरो सर्जरी
फिजियोथेरेपी | दंत चिकित्सा
जबड़ों की सर्जरी | जनरल सर्जरी
सुविधाएं
NABH से मान्यता प्राप्त
आयुष्मान कार्ड से इलाज
24X7 एम्बुलेंस सेवा
24X7 मेडिकल स्टोर
Emergency No- 1800700142
गंगा नगर फेज 2, मंगला चौक के पास, बिलासपुर (छ.ग.) फोन : 07752-434322

रामा केयरवेल हॉस्पिटल
RAMA Inspires Life
INSTITUTE OF JOINT REPLACEMENT TRAUMA AND SPORTS INJURY CENTRE
अत्याधुनिक अस्पताल
DR. RAJIV SAKHUJA
एम.बी.बी.एस, एम.एस. आर्थोपेडिक्स, FIAS (Mumbai)
Consultant Orthopedics, Trauma
Joint Replacement and Sports Injury Surgeon
• मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर
• गहन देखभाल इकाई
• 300mA उन्नत एक्स-रे मशीन
• गहन देखभाल इकाई
• आधुनिक फ्लैट पैनल हाई डेफिनेशन सी-आर्म
• पूर्ण वातानुकूलित अस्पताल, वेंटिलेटर
• गंभीर एक्सीडेन्ट का तुरंत इलाज
• हर तरह के फ्रैक्चर का इलाज (नए एवं पुराने)
• रीढ़ की हड्डी के सभी ऑपरेशन
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी (घुटना, कूल्हा बदली का ऑपरेशन)
• मुश्किल से भरने वाले घाव (नॉन हिलिंग अल्सर), डायबिटीक फुट का इलाज
• जन्मजात पंजा टेढ़ा होना का इलाज नसों से संबंधित परेशानी या दर्द का इलाज
• कमर दर्द, गर्दन दर्द, घुटना दर्द या जोड़ से संबंधित तकलीफों का इलाज
आयुष्मान भारत योजना द्वारा सर्वोत्तम इलाज की सुविधा
सुविधाएँ
ऑर्थोपेडिक्स
न्यूरो ट्रॉमा एवं ब्रेन सर्जरी के ऑपरेशन
जॉइंट रिप्लेसमेंट
स्पाइन सर्जरी
आर्थोस्कोपी - लिगामेंट सर्जरी
स्पोर्ट्स मेडिसिन
यूरोलॉजी - पथरी एवं मूत्र रोग
ब्रेन और न्यूरो सर्जरी
प्रसूति और स्त्री रोग
मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
24x7 Emergency Services
24x7 एम्बुलेंस
फिजियोथेरेपी यूनिट
जनरल सर्जरी और लैप्रोस्कोपी
ट्रॉमा सभी प्रकार के फ्रैक्चर की सर्जरी
24 घंटे प्रसव की सुविधा
रिंग रोड 2, गौरव पथ, पारिजात एक्सटेंशन के पास, पंजाब नेशनल बैंक के बगल में, बिलासपुर, (छ.ग.)
9806716000, 6262716000

ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनं॥
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मोक्षीय मामृतात्॥

हर हर महादेव

महाशिवरात्री
की हार्दिक शुभकामनाएं...

महाशिवरात्रि का दिन हिंदू धर्म के प्रमुख धार्मिक दिनों में से एक है। इस दिन भगवान शिव के भक्त व्रत रखते हैं और विधि-विधान से शिव जी का अभिषेक करते हैं। शिव पूजन के साथ ही महाशिवरात्रि के दिन को आध्यात्मिक जागृति का दिन भी कहा जाता है। इस दिन योग-ध्यान करने से मानसिक सुख की प्राप्त होती है। महाशिवरात्रि का दिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिव-शक्ति एक हुए थे यानि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इसलिए महाशिवरात्रि के पर्व को धूमधाम से मनाया जाता है।

महाशिवरात्रि का धार्मिक महत्व

महाशिवरात्रि का दिन चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है और इस तिथि के स्वामी साक्षात भगवान शिव ही हैं। उपनिषदों में वर्णित है कि शिवलिंग में सभी देवी-देवताओं का वास है। संपूर्ण सृष्टि भी इसी में समाई हुई है इसलिए महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिवलिंग और महादेव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। धार्मिक दृष्टि से इस दिन शिव पूजन, मंत्र जप आदि करने से शिव की कृपा बरसती है।

महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व

हिंदू धर्म में शिव केवल महादेव का नाम नहीं है बल्कि ये उस परम आत्मा का नाम भी है जो सभी में विद्यमान है। शिव का एक अर्थ सदा कल्याणकारी भी है। आत्मा का कल्याण आध्यात्मिक जागरण से ही होता है और महाशिवरात्रि के दिन योग-ध्यान के जरिए परम सत्य की प्राप्ति कर सकते हैं। इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से भी महाशिवरात्रि के दिन को बेहद खास माना जाता है। इस दिन ध्यान करने से काम, क्रोध, मोह और लोभ जैसे विकारों से मुक्ति मिलती है और चेतना का विकास होता है। इस दिन सांसारिक सुखों से हटकर रुद्राभिषेक करने पर शान्ति, पवित्रता और प्रेम का विकास होता है।

पूजन विधि

दीपक, धुप और अगरबत्ती जलाएं, गणेशजी को प्रणाम कर शिव पूजा शुरू करें, ॐ नम: शिवाय मंत्र बोलते हुए शिवलिंग पर दूध, पंचामृत और जल चढ़ाएं। शिवजी को मौली और जनेऊ चढ़ाएं, इत्र, चंदन और भस्म लगाएं, रुद्राक्ष से श्रृंगार करें एवं देवी पार्वती के लिए लाल चुनरी, कुमकुम, चूड़ियां, सिंदूर अर्पित करें। हर तरह के फूल, मदार, बिल्वपत्र, धतूरा और मौसमी फल अर्पित करें, भगवान को धूप-दीप अर्पित करने के बाद नैवेद्य चढ़ाएं फिर आरती करें।

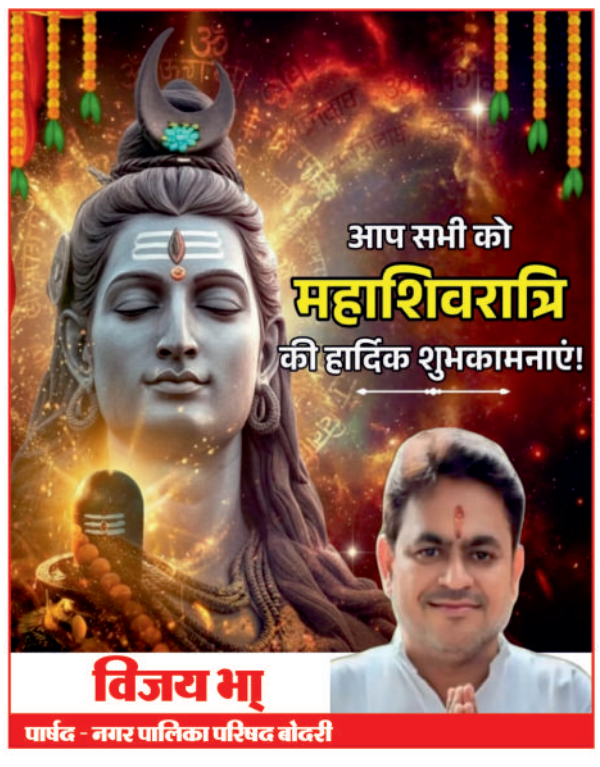

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 15 फरवरी 2026

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

दुनिया इसलिए थकी रफ्तार से: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से लगातार दुनिया तेज रफ्तार जीवनशैली को कामयाबी और स्टेटस सिंबल की तरह पेश करती रही है, तो सवाल है फिर आखिर 21वीं सदी के दो दशक बाद आकर दुनिया का तेज रफ्तारी से मोहभंग क्यों हो गया? इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कोविड के बाद लोगों को जिंदगी की असलियत का एहसास हो गया है कि चाहे जितनी बड़ी कामयाबी हो, चाहे जितनी सुख-सुविधाएं हों और चाहे जितनी संपन्नता हो, लेकिन अगर प्रकृति खफा हो गई, तो जिंदगी की कोई कीमत नहीं रहती। पल भर में सारी कामयाबी, सारी तेज रफ्तारी धरी की धरी रह जाती है। कोविड ने एहसास कराया कि जीवन अस्थायी है। लोग पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दूनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

ह्यूमन नेचर
शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में

अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

वासंती दोहे
घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की गांठ।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

हरिभूमि

बिलासपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

लाइव

Email id- haribhoomibsp@gmail.com

Whats App - 6263190692, 8305922255

श्री पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में अखंड महारुद्राभिषेक आज से

एजुकेशन

यूपीएससी आईएसएस व आईईएस के पदों पर आवेदन शुरू, 3 मार्च तक मौका

बिलासपुर। संघ लोक सेवा आयोग ने भारतीय सांख्यिकी सेवा और भारतीय आर्थिक सेवा परीक्षा के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। जो उम्मीदवार इन पदों पर नौकरी करना चाहते हैं। वे उम्मीदवार यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 फरवरी, 2026 से शुरू हो गई है। साथ ही इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 3 मार्च तक वेबसाइट पर जाकर आवेदन प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं। यूपीएससी की ओर से कुल 44 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसमें भारतीय आर्थिक सेवा के कुल 16 पद और भारतीय सांख्यिकी सेवा के कुल 28 पद आरक्षित है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र या व्यावसायिक अर्थशास्त्र विषय से स्नातकोत्तर की डिग्री होनी चाहिए।

कार्यक्रम

राष्ट्रभावना, सामाजिक एकता का संदेश स्वराज जय हो के उद्घोष से गूंजा परिसर

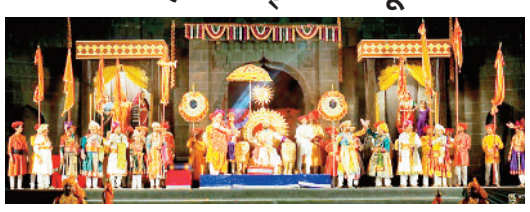

बिलासपुर। हिंदवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम और सुशासन पर आधारित विश्व-प्रसिद्ध ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' के द्वितीय दिवस का आयोजन अत्यंत भावनात्मक, गरिमामय एवं ऐतिहासिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग की सहभागिता रही, महागणपति जी की विधिवत आरती से हुई। इसके पश्चात पुलवामा में वीरगति को प्राप्त भारतीय सेना के अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उपस्थित जनसमूह ने मौन धारण कर उन्हें नमन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन यह सिखाता है कि एक राजा का कर्तव्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि प्रजा की सेवा करना होता है। विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि "छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम और शौर्य को भारतीय शिक्षा के पाठ्यक्रम में वह स्थान मिलना चाहिए था, जिसके वे हकदार थे। पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि "छत्रपति शिवाजी महाराज ने यह स्पष्ट किया कि एक राजा का कर्तव्य क्या होता है और उसे किस प्रकार अपनी प्रजा के हित में कार्य करना चाहिए। 'जाणता राजा' महानाट्य उसी जनकल्याणकारी शासन और सामाजिक एकता की भावना को जीवंत करता है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। इस मौके पर अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, महापौर पूजा विधानी,पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष हर्षिता पांडेय, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह,राजकुमार सचदेव, गणेश साहू, दीपक सिंह, डॉ प्रमोद तिवारी, प्रफुल्ल शर्मा, हरवंश शुक्ला, महेंद्र जैन उपस्थित हुए।

आयोजन

खूब बिके गुलाब उद्यानों में रही भीड़, फूल बाजार रहा गुलजार

बिलासपुर। प्रेम के इजहार का पर्व वैलेंटाइन डे शनिवार को मनाया गया। इस दिन युवा वर्ग एक-दूसरे से अपने प्रेम का इजहार किया। वहीं इस दिन गुलाब की खूब बिक्री हुई। खास कर लाल गुलाब की मांग ज्यादा रही। प्रेमी जोड़े छिप कर अपने प्रेम का इजहार करते रहे। पर्व के मद्देनजर उद्यानों, रेस्टोरेंट में भीड़ रही। वैलेंटाइन डे की शुरुआत संत वैलेंटाइन से जुड़ी मानी जाती है। वैलेंटाइन डे मनाने का उद्देश्य प्रेम और रिश्तों का सम्मान करना, भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना, अपने प्रियजन को खास महसूस कराना होता है। आज यह दिन सिर्फ कपल्स तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोस्त, पति-पत्नी और परिवार के लोग भी एक-दूसरे को प्यार का एहसास कराते हैं। आधुनिक समय में वैलेंटाइन डे रिश्तों में मजबूती लाने का अवसर, प्यार, विश्वास और समर्पण का संदेश देता है। यह डे युवा वर्ग के बीच खास लोकप्रिय है। फूल, चॉकलेट, ग्रीटिंग कार्ड इस दिन की पहचान बन चुकी है।

माता-पिता की सेवा, सम्मान करना हमारा कर्तव्य

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय लिंगियाडीह में प्राचार्य डॉ एमके. मिश्रा के मार्गदर्शन में मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में ब्रह्माकुमारी समीक्षा दीदी, रूपा दीदी एवं ब्रह्म कुमार भ्राता अमर भैया ने कहा कि माता-पिता की सेवा, सम्मान करना हमारा कर्तव्य।

अभिभावकों को कृतज्ञता व्यक्त करने का दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और माता-पिता के पूजन से हुई। बच्चों ने अपने माता-पिता के चरण धोकर, तिलक लगाकर और आशीर्वाद लेकर इस पर्व को मनाया। अतिथियों ने माता-पिता के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया। समीक्षा दीदी ने कहा कि माता-पिता हमारे जीवन के आधार हैं। उनकी सेवा और सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। रूपा दीदी ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस हमें अपने संस्कारों की याद दिलाता है और हमें अपने माता-पिता के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने का अवसर देता है। उमाकांत गुप्ता ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस हमें अपने माता-पिता के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने का अवसर देता है और हमें अपने संस्कारों की याद दिलाता है। कार्यक्रम का समापन माता-पिता के आशीर्वाद के साथ हुआ। सभी ने माता-पिता के प्रति अपने सम्मान और कृतज्ञता को व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता रश्मि गुप्ता व माला चंद्राकर एवं आभार प्रदर्शन व्याख्याता प्रतिभा टोप्पो ने किया।

बच्चों ने पैरेंट्स के प्रति जताया सम्मान

कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने माता-पिता के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। कक्षा 11वीं के छात्र प्रकाश साहू एवं आदिश्री ने भी माता-पिता के प्रति अपने भावों की अभिव्यक्ति दी।

इनकी रही उपस्थिति

इस मौके पर व्याख्याता रंजना तिवारी, धीरेंद्र शर्मा, बालीराम साहू, शेखर सिंह बैस, मुकेश साहू, कांति देवांगन, रेवती साहू, डी काली रत्नम, अरुंधति साहू, निहारिका तिवारी, रेनू मिश्रा, दिव्या यादव, दीपासी, मुनमुन चक्रवर्ती, सरला दुबे, प्रतिभा श्रीवास्तव, प्रीति बावरे, आशीष लहरे, अनुपमा शर्मा, रजनी नायक, समेर सिंह सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वसुंधरा संस्था ने किया मातृ-पितृ दिवस का आयोजन

बिलासपुर। लायंस क्लब बिलासपुर वसुंधरा ने शहर के एक होटल में अपनी फरवरी माह की बैठक रखी। जिसमें वैलेंटाइन डे को मातृ-पितृ दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया। विविध तरह के गेम खेल गए। क्लब के सभी सदस्य लाल कलर के परिधान में शामिल हुए।

बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष रश्मि लता मिश्रा ने की। आने वाली सेवा गतिविधियों, निर्धन कन्या विवाह एवं सदस्यता वृद्धि को लेकर चर्चा कर विमर्श किया गया और कॉन्फ्रेंस में प्राप्त उपलब्धियों को सचिव अर्चना तिवारी ने बताया। एमजेएफ शारदा कश्यप एवं किरण बाजपेई को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया एवं सभी सदस्यों को अध्यक्ष ने डिस्ट्रिक्ट से प्राप्त लायन पिन वितरित की। बैठक में फरवरी माह में पड़ने वाले जन्मोत्सव पर सीता तिवारी, शोभा चाहिल, विनीता मिश्रा, अर्चना तिवारी, सुजाता मिश्रा का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। अंत में विनीता मिश्रा ने सभी को रिटर्न गिफ्ट दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अर्चना तिवारी एवं आभार प्रदर्शन जिला चेयरपर्सन शोभा त्रिपाठी ने किया। संचालन में सहयोग डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन सुधा परिहार का रहा।

विजेताओं को दिया गया उपहार

मातृ-पितृ दिवस के उपलक्ष में अध्यक्ष रश्मि लता मिश्रा और कोषाध्यक्ष विनीता मिश्रा ने मनोरंजन गेम रखा। इसमें अर्चना तिवारी, शोभा चाहिल, शारदा कश्यप, हंसा सेलारका, उषा मुदलियार, संजना मिश्रा, गायत्री कश्यप, सुधा परिहार, मंजुला शिंदे, सीता तिवारी विजेता रहे। सभी विजेताओं को उपहार दिया गया। कार्यक्रम की होस्ट कोषाध्यक्ष विनीता मिश्रा रहीं। इस मौके पर शोभा त्रिपाठी, मंजू तिवारी, रत्ना खरे भी उपस्थित रहीं। जन्मोत्सव की खुशी में हाउजी सहित विभिन्न तरह के गेम रखे गए।

महाशिवरात्रि आज, शिवालयों में होगा अभिषेक

रविवार 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाएगा। इस दिन शिवालयों में भगवान शिव की पूजा करने भीड़ उमड़ पड़ेगी। सुबह से ही मंदिरों में शंख, घड़ियाल की गूंज होने लगेगी। महिलाओं द्वारा भजन गाए जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

श्री पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर 15 फरवरी को सुबह 5 बजे से अखंड महारुद्राभिषेक प्रारंभ होगा जो कि दूसरे दिन 16 फरवरी को प्रातः 5 बजे तक प्रयागराज से आए हुए विद्वानों के मंत्रोच्चारण के साथ निरंतर चलेगा। 16 फरवरी को प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क रुद्राक्ष का वितरण किया जाएगा। महाशिवरात्रि के दिन रात्रि के चार पहर पर विशेष पूजन किया जाएगा।

पीतांबरा पीठाधीश्वर स्वामी दिनेश महराज ने बताया कि महाशिवरात्रि केवल एक व्रत या त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह महान कालखंड है जब ब्रह्मांडीय ऊर्जा और मानव चेतना का मिलन होता है। भारतीय दर्शन और साधना मार्ग में इसका महत्व अद्वितीय है।'शिव' का अर्थ कल्याण और 'रात्रि' का अर्थ है वह समय जो हमें शांति और विश्राम प्रदान करें। फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है कि मनुष्य की रीढ़ की हड्डी में ऊर्जा का प्रवाह स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर होने लगता है। यह रात आध्यात्मिक साधकों के लिए प्रकृति की ओर से मिलने वाला एक उपहार है।

रामा लाइफ सिटी में नर्मदेश्वर की प्राण प्रतिष्ठा प्रारंभ

रामा लाइफ सिटी सकरी में नर्मदेश्वर शिव मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा का कार्यकम शनिवार को कलश यात्रा और वेदी स्थापना के साथ आरंभ हुआ। तीन दिवसीय इस प्राण प्रतिष्ठा के पावन आयोजन में पांच जजमानों के द्वारा मुख्य आचार्य मोहन पाठक गतौरा वाले एवं मंदिर के आचार्य प्रवीण पाण्डेय, पंडित देवांश मिश्रा, पंडित लोमश तिवारी द्वारा विधि विधान से मंत्रोच्चार से कराया गया। दो दिन शिव बारात स्थापना एवं अभिषेक होंगे।

चार पहर की पूजा और चार पुरुषार्थ की सिद्धि

महराज ने बताया कि भारतीय संस्कृति के चार लक्ष्यों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को प्राप्त करने महाशिवरात्रि की चार पहर की पूजा का विधान है। चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के लिए अलग-अलग चीजों से अभिषेक करने का महत्व है। महाशिवरात्रि अंधेरे से प्रकाश की ओर जाने की यात्रा है। जहां अन्य रातें नींद और तामसिक सुख के लिए होती हैं, वहीं यह रात चेतना के उच्चतम स्तर को छूने के लिए है। जो व्यक्ति निष्काम भाव और समर्पण के साथ इस रात्रि शिव की शरण में जाता है, उसे चतुर्थ पुरुषार्थ अर्थात 'मोक्ष' की सहज ही प्राप्ति हो जाती है।

निकाली जाएगी शिव की बारात

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवरात्रि पूजन का आयोजन मुक्तिधाम सरकंडा में किया जा रहा है। इस दौरान महा रुद्राभिषेक एवं शिव विवाह कार्यक्रम होगा। महाकाल की बारात 15 फरवरी को दोपहर 1 बजे मुक्तिधाम सरकंडा से निकलेगी। इस पावन उत्सव को पूर्ण करने माता कात्यायनी आनंद कामाख्या एवं उनके संग अशोक महाराज सहित पांच महाराज अयोध्या से आ रहे हैं। यह आयोजन आचार्या परिवार की ओर से किया जाएगा।

नील कण्ठेश्वर मंदिर में भण्डारा

महाशिवरात्रि पर नील कण्ठेश्वर महादेव मंदिर मोपका सेंदरी में प्राण-प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्षगांठ पर रविवार 15 फरवरी को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मंदिर में प्रातः 9 बजे रुद्राभिषेक और भण्डारा होगा। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। यह जानकारी डॉ अवनीश त्रिपाठी ने दी।

होगी विशेष पूजा, अभिषेक

शहर के अष्टमुखी शिव मंदिर मसानगंज, काली मंदिर, दुर्गा मंदिर जरहाभाटा, जीडीसी चौक स्थित शीतला मंदिर, हरदेव लाल मंदिर, चांटीडीह, घोंघाबाबा परिसर स्थित ललितेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य सभी मंदिरों में महाशिवरात्रि पर्व की धूम रहेगी। इन मंदिरों में भगवान महादेव की विशेष पूजा अर्चना कर अभिषेक किया जाएगा। भगवान शिव को प्रिय आंक, धतूरे के फूल, बेलपत्र अर्पित किए जाएंगे।

स्पोर्टर्स न्यूज

रेलवे नार्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट को मिला जीएम का मेजर शील्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह में बिलासपुर के रेलवे नार्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट को जीएम का मेजर शील्ड प्राप्त हुआ है। 70वें विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह का आयोजन सेकेरसा स्टेडियम में किया गया। इस अवसर पर नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट बिलासपुर को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मेजर शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश तथा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी आदित्य कुमार के द्वारा संस्थान को यह सम्मान प्रदान किया गया। रेलवे के अंतर्गत रायपुर, नागपुर एवं बिलासपुर मंडलों में संचालित रेलवे संस्थानों में से नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट, बिलासपुर को वर्षभर खेल, कला, सांस्कृतिक, ज्ञानवर्धक एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों के उत्कृष्ट संचालन के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुना गया। संस्थान द्वारा रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए नियमित खेल गतिविधियों का संचालन, बच्चों के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन विशेष रूप से सराहनीय रहा। पुरस्कार ग्रहण करने के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा, सहायक कार्मिक अधिकारी रंजन कुमार एवं भास्कर गुहा सहित संस्थान के पदाधिकारी उपाध्यक्ष अमरनाथ सिंह, सचिव सी नवीन कुमार, कोषाध्यक्ष बी अनिल कुमार तथा कार्यकारिणी सदस्य संजय कुमार तिवारी, श्रीकांत पाढी, दीपक सुब्बा, डी मुरली, दीपक राजा गुरुंग, हेमंत सिंह परिहार, टी सम्मुख राव एवं श्रीराम यादव सहित रेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ कार्फबाल की टीम ने पंजाब को हराया

प्रदेश की कार्फबाल टीम ने नेशनल टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पंजाब को हराकर जीत के साथ आगाज किया है। कार्फबॉल एसोसिएशन ऑफ बिलासपुर के खिलाड़ी अमित पिल्ले, ऋषभ हडलेस्कर, हर्ष सिंह, रुखसार बेगम, आरती यादव, समिधा वैष्णव की शानदार खेल की बदौलत छत्तीसगढ़ की टीम ने पंजाब को हराकर जीत के साथ शुरुआत की है। छत्तीसगढ़ टीम के कोच के लिए सौम्य संतवानी का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता फेडरेशन कप के लिए हुआ है, जो की 13 से 15 तक फगवाड़ा पंजाब में आयोजित हो रही है। इसमें छत्तीसगढ़ की टीम ने भी हिस्सा लिया है। छत्तीसगढ़ ने पहला मैच पंजाब से खेला, जिसमें टीम ने 10-11 से जीत हासिल की। छत्तीसगढ़ के कप्तान अमित पिल्ले ने सर्वाधिक स्कोर प्राप्त कर जीत प्राप्त की। कार्फबॉल छत्तीसगढ़ संघ की प्रदेश अध्यक्ष पलक जायसवाल, सेक्रेटरी आनंद सिंह, सीनियर खिलाड़ी ओंकार जायसवाल, टी प्रतीक राव, अर्पित, पवन, श्रेयांश कौशिक, विकास गोरख एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सृष्टि कांसकर ने शुभकामनाएं दी हैं।

हॉकी में राजनांदगांव की टीम बनी चैम्पियन

छत्तीसगढ़ स्कूल के मैदान में चल रही यूथ कप हॉकी प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राजनांदगांव हॉकी की टीम ने फाइनल मुकाबला जीतकर चैम्पियन होने का गौरव हासिल किया है। स्वर्गीय मिर्जा हसन बेग की स्मृति में राज्य स्तरीय सेवन ए साइड यूथ कप हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ स्कूल के मैदान में किया जा रहा था। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बिलासपुर के अलावा अन्य जिलों के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। शनिवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला नगर हॉकी संघ बिलासपुर और राजनांदगांव के बीच खेला गया। दोनों ही टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। खेल के हाफ टाइम तक राजनांदगांव की टीम 2-1 से आगे थी। बिलासपुर नगर हॉकी संघ की ओर से राहुल ने एकमात्र गोल किया। हाफ टाइम के बाद राजनांदगांव टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल के जरिए एक के बाद एक तीन गोल करते हुए अंक 4-1 कर लिया। मैच के अंत तक बिलासपुर नगर हॉकी की टीम अंक बराबर करने का प्रयास करती रही। अंत में राजनांदगांव और बिलासपुर का स्कोर 4-1 रहा और बिलासपुर नगर हॉकी टीम को हराकर राजनांदगांव की टीम ने फाइनल मुकाबला जीतकर चैम्पियन होने का गौरव हासिल किया। फाइनल और पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, डॉ. उज्जवला कराडे, तिलकराज सलूजा, सैय्यद अनवारूल कादिर, मनीष श्रीवास्तव, अजीत मिश्रा, मिर्जा जियारत बेग, महेश हिरायानी, आयोजन समिति के सचिव सैय्यद इखलाक अली सहित खिलाड़ी मौजूद थे।

इंडियन मुस्लिम प्रीमियर लीग का समापन कल

इंडियन मुस्लिम सोसायटी प्रीमियर लीग सीजन 2 में 16 फरवरी को फाइनल मैच एवं समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। अब तक 16 टीम टीमों ने गांधी चौक मिनी स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल प्रतिभा दिखाई है। 15 फरवरी रविवार को दो सेमीफाइनल मुकाबले होंगे। अर्जुन समिति के प्रमुख तौसीफ ने बताया कि अब तक के मैच में जीनत अल्टीमेट वॉरियर्स, ईजा सुपर किंग, अर्सलान फाइटर, अल हिंद लायंस अल हिंद लायन, यंग बुल्स, टाइटन सलह टाइटंस टीम ने अपने-अपने मैच जीतकर कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 15 फरवरी की शाम 6 बजे सेमीफाइनल और 16 फरवरी को फाइनल मुकाबले के साथ पुरस्कार वितरण होगा। मैच में अतिथि के रूप में क्रेडा के पूर्व अध्यक्ष तथा आधारशीला विद्या मंदिर के डायरेक्टर अजय श्रीवास्तव, पूर्व सांसद इनग्रीड मेंक्लाउड, निगम जोन कमिश्नर प्रवेश कश्यप, पार्षद रंगनादम, पंकज तिवारी, कांग्रेस के अभय नारायण राय, सानुल खान, आसिफ खान, इरफान खान, अब्दुल खान, नसीम खान, एस कार्टर रेड्ड ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया। पहले मैच में सेफ कुरैशी, दूसरे मैच में जानी, तीसरे मैच में कैफ चौथे मैच में इमरान खान ने खेल मैदान में शानदार प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इस अवसर पर अजय श्रीवास्तव ने कहा है कि मुस्लिम समाज के युवाओं को एक बड़ा मंच इस प्रतियोगिता में मिला है। तौसीफ तथा आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई दी और कहा कि खेल से जहां शरीर स्वस्थ रहता है वही मुस्लिम समाज के युवा खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

खबर संक्षेप

अधिवक्ता तहसील संघ के अध्यक्ष बने दिलीप

मस्तूरी। स्थानीय तहसील कार्यालय में तहसील स्तरीय अधिवक्ता संघ का चुनाव हुआ। दो पैनल में हुए चुनाव में सभी पदों पर मतदान के पश्चात निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण की गई जिसमें अध्यक्ष पद पर दिलीप शर्मा निर्वाचित हुए। साथ ही उपाध्यक्ष गोपाल अकेला, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम सांडेय ,सचिव सुखसागर सोनवानी, सह सचिव प्रहलाद साहू, ग्रंथालय सचिव देवेंद्र कुमार राय, क्रीडा सचिव भरत लाल अंचल एवं कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार पटवर्धन, संजीव खरे, संदीप मिश्रा, लखन कुमार केवट, हेमलाल भारद्वाज एवं शिवकुमार केवट निर्वाचित हुए।

समडील नवापारा में श्रीमद् भागवत कथा 16 से

तखतपुर। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन समडील नवापारा में 16 से 24 फरवरी तक किया गया है जिसमें कथा वाचक पं राजेंद्र कृष्ण पाण्डेय है। आयोजन में कृष्णा साहू, राजू साहू, रवि कुमार साहू, अरूण साहू, प्रिया साहू, पूजा साहू, विजय कुमारी, संतोषी साहू, पार्वती साहू सहित अन्य जुटे हुए हैं।

निधन

मोंगरा बाई उपाध्याय

बिलासपुर। ग्राम बोदा मुंगेली निवासी मोंगरा बाई उपाध्याय का निधन 14 फरवरी को हो गया। वे 76 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार 15 फरवरी को सुबह 10 बजे उनके गृह ग्राम में किया जाएगा। वे हरि प्रसाद उपाध्याय की पत्नी थीं।

रघुवर दयाल अग्रवाल

बिलासपुर। जूना बिलासपुर निवासी रघुवर दयाल अग्रवाल पिता स्व. बाबूलाल मित्तल का शनिवार को निधन हो गया। वे 79 के थे। उनका अंतिम संस्कार दयालबंद मुक्तिधाम में किया गया। वे सुभाष अग्रवाल एवं शैलेश अग्रवाल के भाई तथा लोकेश (लकी) के पिता थे।

स्मिथ लाल

जरहागांव। पेंड्रीडीह छतौना निवासी स्मिथ लाल की 26 वर्ष के आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार प्रभु की वाटिका में किया गया, जहां बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। वे वर्षा लाल के पुत्र, मनीषा लाल की पति तथा स्मिता लाल के भाई थे।

केसर देवी अग्रवाल

लोरमी। नगर की प्रतिष्ठित नागरिक केशर देवी अग्रवाल का 85 वर्ष की आयु में 14 फरवरी को निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में रविवार को सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। वे प्रमोद, प्रदीप (दीपू) व नितेश अग्रवाल (मिंटू) की माता थीं।

2.5 करोड़ की लागत से बनेगा मंगल भवन

सरगांव में विकास कार्यों का कौशिक ने किया भूमिपूजन

डबल इंजन की सरकार में लगातार हो रही विकास कार्यों में वृद्धि: कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगांव

नगर पंचायत सरगांव में बिल्हा विधायक धरम लाल कौशिक ने करीब 12 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष परमानंद साहू, जनप्रतिनिधि, पार्षद, नगर पंचायत अधिकारी, और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विधायक धरम लाल कौशिक ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से फोन पर बात की और सरगांव में प्रस्तावित मंगल भवन के लिए अतिरिक्त राशि की मांग की। पहले इस मंगल भवन का निर्माण 1.5 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित था, लेकिन विधायक ने इसे और सुविधायुक्त बनाने के लिए 1 करोड़ रुपये अतिरिक्त राशि स्वीकृत करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और 1 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। अब मंगल भवन का निर्माण लगभग 2.5 करोड़ रुपये की लागत से होगा। इससे नगरवासियों को सामुदायिक कार्यक्रमों, विवाह समारोहों, और सामाजिक आयोजनों के लिए एक भव्य स्थल मिलेगा। इस योजना के लिए नगर पंचायत द्वारा संशोधित प्राक्कलन (एस्टिमेट) भेजा जाएगा, और मंजूरी के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा।

विकास कार्य के लिए भूमिपूजन करते विधायक धरमलाल कौशिक।

निरंतर हो रहे विकास कार्य

कार्यक्रम के दौरान विधायक धरम लाल कौशिक ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर डबल इंजन की सरकार के रूप में लगातार विकास कार्यों में वृद्धि कर रही है। इस डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से आज सरगांव में नए विकास कार्यों का शुभारंभ हो रहा है, जो न केवल नगर की अवसंरचना को मजबूत करेंगे, बल्कि नागरिकों को भी अधिक सुविधा प्रदान करेंगे। हमारी सरकार लगातार नई परियोजनाओं पर ध्यान दे रही है, जिससे आम नागरिकों की जिंदगी आसान बने। उन्होंने यह भी कहा कि सरगांव में सड़क, नाली, पेयजल, और सार्वजनिक भवनों के विकास के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जाएंगे। इससे समग्र रूप से नगर की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

जेवरा स्कूल परिसर से अतिक्रमण हटाने और सड़क निर्माण की मांग

ग्रामीणों ने दी खम्हरिया मुख्य मार्ग पर चक्काजाम की चेतावनी

सीपत। विकासखंड के वनांचल क्षेत्र में जेवरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में अतिक्रमण हटाने तथा बिलासपुर सीपत–हरदीबाजार–कोरबा मुख्य मार्ग के बीच खम्हरिया, सोंठी, नवापारा से अदराली तक लगभग 12 किलोमीटर जर्जर सड़क के निर्माण की मांग को लेकर 17 फरवरी मंगलवार को ग्राम पंचायत खम्हरिया मुख्य मार्ग पर चक्काजाम करने का ऐलान किया गया है। यह आंदोलन सोंठी क्षेत्र की जनपद सदस्य लक्ष्मीन बाई देव सिंह पोरते के नेतृत्व में किया जाएगा। वनांचल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है।

जनदर्शन में जिला कलेक्टर को सौंपे गए लिखित आवेदन में उल्लेख किया गया है कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेवरा के अहाता के भीतर दीपक पटेल द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर बाड़ी लगाई गई है और उसमें सब्जी उगाई जा रही है। बार बार आपत्ति जताने और हटाने के आग्रह के बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय परिसर में इस प्रकार का अतिक्रमण बच्चों की सुरक्षा और शैक्षणिक वातावरण के लिए अनुचित है।

12 किलोमीटर सड़क बदहाल- दूसरी प्रमुख मांग खम्हरिया, अदराली जेवरा मार्ग की मरम्मत और निर्माण को लेकर है। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सड़क वर्षों से जर्जर बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। आरोप है कि संबंधित विभाग और प्रशासन ने अब तक इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई।

बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़

जनपद सदस्य लक्ष्मीन बाई देव सिंह पोरते ने कहा कि विद्यालय परिसर में अतिक्रमण बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सड़क की जर्जर स्थिति से आम जनता की जान जोखिम में है। मैंने कई बार प्रशासन को अवगत कराया, लेकिन कार्रवाई नहीं होना बेहद निराशाजनक है। यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो जनहित में बड़ा आंदोलन करना हमारी मजबूरी होगी। बच्चों की सुरक्षा और जनता की सुविधा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जनपद सदस्य प्रतिनिधि देव सिंह पोरते ने बताया कि इस संबंध में 13 जून 2023 और 4 सितंबर 2025 को भी प्रशासन को आवेदन दिया जा चुका है।

सेमरचुवा संकुल में मना वार्षिकोत्सव

जरहागांव। संकुल सेमरचुवा के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं हाई स्कूल के छात्रों के द्वारा शाला परिसर में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम कों उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि, ग्रामीण जन, युवाओं नें खूब सराहा।

इस अवसर पर, जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली एलपी डाहिरे नें बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए जोर दिया। उनहेंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रतिभा की कमी नहीं है। इसे बाहर निकाल कर अच्छी तरह से निखारने की जरूरत है। सरपंच प्रतिनिधि टेकलाल पटेल ने छात्रों के कार्यक्रम प्रति वर्ष आयोजन करने को कहा। जिससे छात्रों कों मंच में आने का अवसर मिलता है। इस मौके पर नरेंद्र कुमार शर्मा, एसएमडीसी अध्यक्ष सेमरचुवा, रामगोपाल दीक्षित, तितरा यादव सत्यनारायण पोरते, सुभाष चंद्र चतुर्वेदी संकुल प्रभारी, मयूर पुष्कर लाल, प्रवीण राय हरिशंकर गुप्ता, संदीप ध्रुवंशी, रत्ना गुप्ता, संजय चतुर्वेदी, शिवनाथ मरावी, पंच, गणमान्य नागरिक, युवा, महिलाएं मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन गौकरण डिंडोले ने एवं आभार प्रदर्शन विमला कश्यप ने किया।

जेल ब्रेक, चोरी एवं मारपीट के फरार वारंटियों को भेजा गया जेल

मुंगेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में ऑपरेशन बाज के तहत 41 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। रायपुर, बिलासपुर सहित जिले के सभी थाना चौकी क्षेत्रान्तर्गत निवासरत 41 स्थायी वारण्टियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जिला जेल मुंगेली से जेल ब्रेक, चोरी एवं मारपीट के फरार स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

ऑपरेशन बॉज के तहत 5 दिवस के भीतर रायपुर, बिलासपुर सहित जिले के थाना एवं चौकी अंतर्गत 41 स्थायी वारंटियों को हिरासत में लेकर न्यायालय पेश किया गया। एवं 2 स्थायी वारंटियों का फौत होने पर अदम तामिल रहा। गिरफ्तार वारंटियों में थाना सिटी कोतवाली अंतर्गत 15, लोरमी 7, पथरिया 5, सरगांव 5, जरहागांव 4, लालपुर 2, चिल्फी 1, चौकी साकेत 1 खुडिया अंतर्गत 1 वारंटी रहे। थाना पथरिया एवं फास्टरपुर-सेतगंगा क्षेत्र के 1-1 स्थायी वारंटों की फौत होने से वारंट अदम तामिल रहा। थाना सिटी कोतवाली द्वारा वर्ष 2019 में जिला जेल से जेल ब्रेक कर फरार स्थायी वारंटी इंदल उर्फ इंद्रध्वज निवासी सिलतरा थाना लोरमी एवं चोरी व मारपीट के घटनाओं में सम्मिलित वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ-साथ जिला रायपुर कोर्ट से जारी वारंट के 2 एवं बिलासपुर कोर्ट के 1 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय रायपुर एवं बिलासपुर में पेश किया गया है। उक्त स्थायी वारंट तामिली में जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों व साइबर सेल प्रभारी एवं टीम की भूमिका रही।

सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

बिलासपुर। ग्राम अकलतरी में विधायक मद से 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले धीवर समाज के सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम राजेश सूर्यवंशी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि सामुदायिक भवन के निर्माण से समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। साथ ही समाज के लोगों को एकजुट होकर विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए एक बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। इस अवसर पर सभापति अनुसुइया जागेंद्र कश्यप, जनपद सदस्य सुरेखा मनोज पटेल, विधायक प्रतिनिधि उमेश गौरहा, जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र धीवर, सरपंच अरुंधती रामझूल धीवर, उपसरपंच धनंजय यादव, मंडी अध्यक्ष संयोगिता राजेन्द्र कश्यप, पंचगण, मनराखन धीवर, पवन धीवर, सतीश धीवर, मनोज धीवर, जतीन धीवर, सहित समाज के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

अभाव में ही निखरकर सामने आती है क्षमता: कलेक्टर

मुंगेली। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 'मिशन 90 प्लस' के अंतर्गत जिले में आयोजित प्रेरक कार्यक्रम में कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के डी एवं ई ग्रेडिंग वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर परीक्षा की बेहतर तैयारी हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, परीक्षा भय को दूर करना और उत्कृष्ट परिणाम के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खुलकर अपनी शंकाएं साझा कीं। विद्यार्थियों ने टाइम टेबल बनाने, लंबे समय तक ध्यान केंद्रित रखने, नकारात्मकता से दूर रहने तथा प्रतिशत और ज्ञान के महत्व जैसे विषयों पर भी प्रश्न किए, जिस पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कक्षा 11वीं की छात्रा मनीषा मनहरण ने स्वयं के नोट्स बनाने के महत्व को साझा करते हुए आगे की पढ़ाई के लिए हॉस्टल सुविधा की मांग रखी। इन सभी पर कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने मार्गदर्शन प्रदान कर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा, शासकीय एस.एन.जी. महाविद्यालय के प्राचार्य रजत दवे, रामशरण यादव, शिक्षाविद डी.के सोलंकी सहित अन्य अतिथियों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि सीमित संसाधन में बेहतर परिणाम आते हैं तथा अभाव में ही व्यक्ति की क्षमता में निखरकर सामने आती है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि यह समय जीवन में दोबारा नहीं आएगा। उन्होंने वैचारिक, भावनात्मक और भौतिक ऊर्जा के संतुलन पर जोर देते हुए कहा कि इनके संतुलन एवं संयोग से ही मनोवांछित सफलता प्राप्त होती है। मीडिया प्रभारी रामशरण यादव ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी.डाहिरे ने अभियान की रूपरेखा पर प्रकाश उन्होंने बताया कि इस वर्ष हाईस्कूल की परीक्षा में 11 हजार 177 तथा हायर सेकेंडरी की परीक्षा में 07 हजार 704 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस अवसर पर डीएमसी अशोक कश्यप, बीईओ, एबीईओ एवं शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेरक कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते कलेक्टर।

सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा में हों शामिल

मल्हार। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर मल्हार क्षेत्र के शिक्षा के लिए समर्पित शिक्षक व जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क रूप से कोचिंग प्रदान करने वाले जनपद सदस्य ज्वाला बंजारे का प्रेरक संदेश, विद्यार्थियों को सफलता के टिप्स दिए । आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर क्षेत्र के विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है। और छात्र छात्राएं इस बार अपनी सफलता के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे है। इसी क्रम में जनपद सदस्य ज्वाला बंजारे ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के सभी छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। ज्वाला बंजारे ने कहा कि बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ है, जो उनके भविष्य की दिशा और दशा तय करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पूरी मेहनत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा में शामिल हों। "घबराएं नहीं, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और समय का सही उपयोग करें, सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी अपील की कि वे बच्चों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करें और उनका उत्साह बढ़ाते रहें।

आत्मानंद स्कूल दाऊपारा में एलुमनी मीट

मुंगेली। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा एवं कलेक्टर एवं संचालक के निर्देशानुसार पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया।

निर्देशानुसार शाला के पूर्व प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मान आमंत्रित किया गया। प्राचार्य डॉ. आईपी यादव एवं उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा आगंतुकों को बैज एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक ज्ञान की परख के लिए क्वीज प्रतियोगिता रखी गयी। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर रूपेश सिंह राजपूत, यशकर राव तिवरकर, दिशा खुंटे, पलक कुरकेजा, सुमुखी सोनी, सुभिया साहू, अनुश्री पात्रे, अनुष्का मिश्रा, भूमिका दिवान, तनुश्री पात्रे, खुशबु भास्कर, शल्मा बेगम, तबस्सुम बेगम, निलय यादव, गौरव साहू, तनु गोस्वामी, जश्लीन कौरशलुजा, अर्पिता शुक्ला सहित कुल 52 पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शाला प्रबंधन विकास समिति सदस्य डॉ. हीरालाल साहू, दुष्यंत दुबे, ममता जोशी, वरिष्ठ पालक मोहित यादव सहित शाला परिवार के सदस्यों में राहुल वर्मा, उमाशंकर साहू, हरिशंकर गुप्ता, ज्योति जायसवाल, रीना मरावी, शबनम बानो, राकेश साहू आदि उपस्थित थे।

हिन्दू धर्म के आराध्य पर अभद्र टिप्पणी, थाने में शिकायत

तखतपुर। हिन्दू धर्म के आराध्य पर अभद्र टिप्पणी पर समाज के लोगों ने आक्रोश प्रदर्शन करते हुए थाने में शिकायत की है। नंगोई निवासी देहनपारा में रहने वाला सूरज भारती इंस्टाग्राम आईडी पर आए दिन हिन्दू धर्म के आराध्य पर अभद्र टिप्पणी करते हुए वीडियो बनाकर पोस्ट किया जाता है जिसमें समाज के लोगों ने तखतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित लोग उपस्थित व्यक्ति सुरेश सिंह ठाकुर, अनिरुद्ध द्विवेदी, अनिल सिंह ठाकुर, दिनेश पाण्डेय, कोमल सिंह ठाकुर, धनंजय सिंह क्षत्रि, राजेश्वर सिंह क्षत्रि, प्रफुल्ल तिवारी अभय सिंह यतेंद्र दुबे, रोहन सिंह ठाकुर, अजय यादव, ज्ञानेश्वर सिंह क्षत्रि, भगवान सिंह ठाकुर, प्रमोद अग्रवाल दुर्गेश ठाकुर, कोमल ठाकुर, ईश्वर सिंह राजपूत राजू निर्मलकर रोशन सिंह देव सिंह ठाकुर निरंजन सिंह क्षत्रि बादल निर्मलकर लोकेश्वर पटेल अमर निर्मलकर रोहित देवांगन कुश निर्मलकर रवि धुरी इंद्राज सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल सरकण्डा तहसील व जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

- सूचना -

क्र./ / तह. / रा.नि./ सीमा./2026
सरकण्डा, दिनांक 12/02/2026

प्रति,
1. धरमराज डेव्हलपर्स द्वारा सौरभ कश्यप वगै. पिता राजेन्द्र कश्यप 2. होरीलाल व. अन्नूलाल 3. नरबदा पटेल पिता सिथवा पटेल 4. अनिल पटेल 5. अनिल पटेल अन्य हितबद्ध पक्षकार।

विषय: सीमांकन के समय उपस्थित होने की सूचना बावत।

संदर्भ:-न्यायालय तहसीलदार/अति. तहसीलदार बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) ज्ञापन क्रमांक / / तह./रीडर/202 बिलासपुर, दिनांक 19/11/2025

संदर्भित पत्र अनुसार आवेदक धरमराज डेव्हलपर्स, द्वारा सौरभ कश्यप पिता राजेन्द्र कश्यप निवासी कुदुदण्ड बिलासपुर द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 के तहत ग्राम मंगला प.ह.नं.35 रा.नि.म. सरकण्डा, तहसील व जिला बिलासपुर में स्थित भूमि ख.न. 318/4, 318/1, रकबा 0.2430, 0.2430 वर्गफीट / हेक्टेयर भूमि का सीमांकन हेतु न्यायालय तहसीलदार/अति. तहसीलदार बिलासपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार/अति. तहसीलदार बिलासपुर के आदेश के परिपालन में दिनांक 17/02/2026 को सुबह 11 से 5 बजे तक से निर्धारित किया गया है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है। अतः आप उक्त तिथि को नियत समय पर मौके में भूमि संबंधी दस्तावेज के साथ उपस्थित रहे। उपस्थित नहीं होने की दशा में बाद की आपत्ति पर कोई विचार नहीं की जावेगी। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी।

टीप:- विशेष परिस्थिति में सीमांकन की तिथि एवं समय में परिवर्तन हो सकता है।

राजस्व निरीक्षक मण्डल सरकण्डा तहसील -बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भ :- जिला बिलासपुर तहसील-बिलासपुर प.ह.न.-00037 तोरवा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202526400108300082

ईश्तहार

तहसील बिलासपुर के प.ह.न. 00037 के अंतर्गत ग्राम तोरवा के वर्तमान भूमिस्वामी मोहिरेन्द्रधर व.बी.सी.धर पिता/पति- पता-सा. इंदिरा कालोनी बिलासपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1281/3 (0.0320) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता मैनाक धर उर्फ मोईनाक पिता/पति-स्व रवि धर पता-इंदिरा कॉलोनी तारबाहर बिलासपुर कुनाल धर पिता/पति-स्व रवि धर पता-इंदिरा कॉलोनी तारबाहर बिलासपुर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 27/02/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/02/2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार AKASH GUPTA
बिलासपुर

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर जिला बिलासपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भ: जिला बिलासपुर तहसील-बिलासपुर प.ह.न.-00036 जूना बिलासपुर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202526400108400134

ईश्तहार

तहसील बिलासपुर के प.ह.न. 00036 के अंतर्गत ग्राम जूनाबिलासपुर के वर्तमान भूमिस्वामी राहुल दुबे, सिद्धार्थ दुबे पि. ओंकार प्रसाद दुबे, ओंकार प्रसाद दुबे पिता/पति-रामकृष्ण दुबे पता-सा. विनोबा नगर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 703/3 (0.0240) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता राहुल दुबे पिता/पति-स्व श्री ओंकार प्रसाद दुबे पता-विद्या उप नगर बिलासपुर, सिद्धार्थ दुबे पिता/पति-स्व श्री ओंकार प्रसाद दुबे पता-विद्या उप नगर बिलासपुर के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/02/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर जिला बिलासपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/01/26 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार Prakash Chand Sahu
तहसील-बिलासपुर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी बिल्हा जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक /क/तह./20
बिल्हा, दिनांक 12/02/2026

एतद् द्वारा ग्राम मोहतरा तहसील बिल्हा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक इंद्रासन सिंह क्षत्री पिता /पति स्व.संतराम जाति बरगाह निवासी ग्राम मोहतरा तहसील बिल्हा जिला-बिलासपुर छ.ग. के द्वारा अपने स्वयं श्री इंद्रासन सिंह क्षत्री पति स्व.संतराम जाति बरगाह निवासी ग्राम मोहतरा थाना बिल्हा तहसील बिल्हा जिला बिलासपुर की जन्म दिनांक 14/01/1981 को ग्राम मोहतरा को हुआ/हुई है। अतः मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति अथवा जनता को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/2/26 को दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/2/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किय गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बिल्हा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार अनुराग केशरवानी पिता श्री अशोक केशरवानी निवासी-शिवरीनारायण की ओर से अधिकृत व निर्देशित होकर निम्न आशय की आमसूचना का प्रकाशन करता हूँ कि भूमि स्वामी डी. राजेश्वर राव पिता श्री डी. देवराजू निवासी-चन्दन आवास आर. के. नगर बिलासपुर की हक स्वामित्व व कब्जे की भूमि जो कि रोहित गोरख पिता नर्मदा प्रसाद गोरख निवासी-लिंगियाडीह के पास विक्रय हेतु अनुबंधित है मौजा-मोपका प.ह.नं.- 29 तह. जिला बिलासपुर खसरा नं.-993/2/ठ/14 रकबा 0.280 हे. में से 1950 व.फु. भूमि को मेरे पक्षकार के द्वारा क्रय करने का सौदा कर अग्रिम बयाना राशि अदा की गई है इस सौदे से किसी भी व्यक्ति, बैंक, शासकीय या अर्द्धशासकीय निकाय आदि को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मय दस्तावेज लिखित आपत्ति दर्ज करे 07 दिनों के पश्चात की आपत्ति मान्य नहीं होगी व मेरा पक्षकार अपने पक्ष में पंजीयन निष्पादन कराने हेतु स्वतंत्र होगा

सो सूचना जाने
दिनांक : 14.02.2026

भवदीय
ललित विश्वकर्मा (अधिवक्ता)
दयालबंद बिलासपुर छ.ग.
मो. 9340363261, 9827171022

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/क/तह./ वा./ 2026
बिलासपुर, दिनांक 06/02/2026

ग्राम कोनी म.न. 2 के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोनी म.न. 2 प.ह.न. 23 तहसील व जिला बिलासपुर द्वारा स्थित भूमि खसरा नंबर 217/1, 217/2, 218 कुल रकबा 0.068 हे. भूमि का छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत अभिलेख दुरूस्ती आवेदक श्री शिरोमणी सिगरोले पिता श्री गिरधारीलाल निवासी कोनी म.न. 2 बिलासपुर जिला-बिलासपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति/ दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 27/02/2026 को सुबह 11.00 स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किये जावेगे।

आज दिनाँक 06/02/2026 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग
• मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग
• किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड
• अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग
• मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के कैलेंडर का विमोचन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के उप प्रांताध्यक्ष डॉ अशोक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार श्रीवास, जिला सचिव संतोष तिवारी, जिला उपाध्यक्ष शिव श्रीवास ने छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के चार पुरुषार्थों - राष्ट्रीय हित, शिक्षा हित, शिक्षार्थी हित एवं शिक्षक हित की गौरवशाली परंपरा को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी कैलेंडर तैयार करवाया गया जिसमें कलेक्टर द्वारा घोषित अवकाश, सामान्य अवकाश व ऐच्छिक अवकाश की सूची समाहित की गई है। कैलेंडर का विमोचन आज बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला की उपस्थित में संपन्न हुआ। इस पर उन्होंने कहा कि आप कैलेण्डर की तरह प्रति दिवस, प्रति पल सजग रहते हुए आचार्य चाणक्य की तरह समाज को नई दिशा दें, विकसित राष्ट्र बनाए। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ. एम एल पटेल, अनिल गौरहा, संतोष तिवारी, राजेंद्र कुमार श्रीवास, डॉ एके गुप्ता, शिवकुमार श्रीवास, जे पी ध्रुव, रोहित भांगे, राजेश कश्यप, अजय कुमार तिवारी, ईश्वर तिवारी आदि मौजूद थे।

निजी फायदे के लिए लोगों को उकसा रहेः वाधवानी

बिलासपुर। लिंगियाडीह की जनता को जागरूक करने के लिए चलाए गए अभियान में बताया जा रहा है कि कुछ लोग अपने निजी फायदे के लिए सरकारी जमीन पर कब्जा करके दुकान, स्कूल, मकान बनाकर किराए से चला रहे हैं और जनता को आंदोलन करने के लिए उकसा रहे हैं। इस अभियान के तहत बताया जा रहा है कि उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सड़क चौड़ीकरण के कारण जो मकान टूटे थे, उनको आवास दिया गया है और सभी आवास मिलने पर बहुत खुश हैं। अभी ऐसी कोई तोड़फोड़ की बात नहीं है, लेकिन कुछ लोग उच्च न्यायालय में याचिका लगाकर आंदोलन करवा रहे हैं। लिंगियाडीह की जनता से अपील की जा रही है कि ऐसे लोगों के चक्कर में न आएं और आंदोलन न करें क्योंकि इससे किसी का भी भला नहीं होगा। जब तक न्यायालय का निर्णय नहीं आता है, तब तक शांति बनाए रखनी चाहिए। इस अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 50 के पार्षद जय वाधवानी ने कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी का भी मकान टूटे, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी का संभागीय न्यायिक सेमिनार

विधिक सिद्धांतों के मार्गदर्शन में ही न्यायिक विवेक का प्रयोग होना चाहिएः चीफ जस्टिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बिलासपुर संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमिनार का आयोजन छग राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा जिला न्यायालय परिसर स्थित नवीन कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया।

सेमिनार में बिलासपुर संभाग के पाँच सिविल जिले बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा एवं मुंगेली से कुल 119 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चीफ जस्टिस एवं अकादमी के संरक्षक रमेश सिन्हा ने सेमिनार का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू, जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी, जस्टिस राकेश मोहन पाण्डेय, जस्टिस संजय कुमार जायसवाल, जस्टिस रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा, जस्टिस बिभू दत्ता गुरु एवं जस्टिस अमितेन्द्र किशोर प्रसाद सहित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की उपस्थिति रही। मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा ने कहा कि वैधानिक प्रावधानों और कानून के स्थापित सिद्धांतों के मार्गदर्शन में न्यायिक विवेक का प्रयोग किया जाना चाहिए।

न्यायिक अफसर अपने अधिकारों का प्रयोग सतर्कता से करें

श्री सिन्हा ने न्यायिक अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने अधिकारों का प्रयोग सतर्कता, संवेदनशीलता एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ करें, ताकि न्याय न केवल प्रभावी रूप से प्रदान हो, बल्कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी भी प्रतीत हो। उन्होंने विधि के अनुप्रयोग में एकरूपता एवं स्थापित विधिक सिद्धांतों के पालन को जनविश्वास सुदृढ़ करने का आधार बताया। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की नव परिवर्तित आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ भी किया गया। आधुनिक एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस से युक्त इस वेबसाइट के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों, न्यायिक शिक्षा पहलों, प्रकाशनों एवं अकादमी की संस्थागत गतिविधियों से संबंधित जानकारी की सहज एवं त्वरित पहुँच सुनिश्चित होगी।

महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर की चर्चा

सेमिनार के दौरान जमानत में समानता के सिद्धांत, धारा 138 एनआई एक्ट की प्रक्रिया एवं डिक्री निष्पादन, उत्तराधिकार कानून, आदिवासी रूढ़िगत विधि की प्रासंगिकता तथा वसीयत के वैधानिक निष्पादन एवं साक्ष्य मूल्य जैसे महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर प्रस्तुतीकरण एवं विचार-विमर्श किया गया। अंत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिलासपुर ने आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री अधिकारीगण तथा बिलासपुर संभाग के न्यायिक अधिकारी, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

शहर में करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल का स्वास्थ्य मंत्री ने किया शुभारंभ

बिलासपुर। नूतन चौक सरकंडा स्थित करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल का शुक्रवार को विधिवत उद्घाटन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। समारोह में मंत्री श्री जायसवाल ने फीता काटकर अस्पताल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए अब बिलासपुर और आसपास के मरीजों को बड़े महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को नई दिशा देगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह बिलासपुर का पूर्णतः कैंसर-समर्पित अस्पताल है, जहां आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के साथ कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपलब्ध रहेगी। यहां उपलब्ध प्रमुख सुविधाओं में में कैंसर की उन्नत जांच व्यवस्था, विशेषज्ञ परामर्श, कीमोथेरेपी सुविधा, हार्मोनल थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी,इम्यूनोथेरेपी, पैन एंड पैलिएटिव केयर, ओंको फिजियोथेरेपी आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, समर्पित मरीज देखभाल कक्ष मौजूद है। संस्थान के संचालक डॉ. प्रशांत कसेर एवं डॉ. नीलम लदेर ने बताया कि अस्पताल का उद्देश्य सेवा, संवेदना और विश्वास के साथ किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है।

हेल्थ प्लस

समय पर जांच, सटीक इमेजिंग से स्तन रोगों की पहचान संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सिम्स के रेडियोलॉजी विभाग द्वारा मेडिकल इमेजिंग टू माइक्रोस्कोपी-इंटीग्रेटेड डिसीजन मेकिंग इन ब्रेस्ट डिसीज पर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। व्यापार विहार स्थित द आनंद इम्पीरियल हॉटल में सुबह 5 से 8 बजे तक चले इस कार्यक्रम में राज्य भर के डाक्टरों ने हिस्सा लिया। जिसकी अध्यक्षता रेडियोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ अर्चना सिंह ने की।

संचालन डॉ शहनाज बानो और डॉ अमन अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के संरक्षक सिम्स के डीन डॉ. रमेश मूर्ति व सह-संरक्षक व सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह रहे। इस दौरान मुख्य वक्ताओं के तौर पर एआईआईएमएस के डॉ. राकेश गुप्ता, अपोलो हॉस्पिटल के डॉ. पवन गुप्ता,जीई हेल्थकेयर मुंबई के डॉ. रोहिणी पांडे व सिम्स की डॉ. सुपर्णा गांगुली, डॉ. रश्मी साव, डॉ. अमित श्रीवास्तव शामिल रहे। स्तन रोगों की पहचान एवं प्रबंधन में इमेजिंग (मेमोग्राफी, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई) से लेकर माइक्रोस्कोपी (एफएनएसी, बायोप्सी, हिस्टोपैथोलॉजी) की उपयोगिताओं को दर्शाने के लिए सिम्स के रेडियोलॉजी विभाग द्वारा मेडिकल इमेजिंग टू माइक्रोस्कोपी-इंटीग्रेटेड डिसीजन मेकिंग इन ब्रेस्ट डिसीज पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य और देश के अलग-अलग हिस्से के 120 रेडियोडायग्नोसिस, पैथोलॉजिस्ट और विशेषज्ञ डाक्टर मौजूद रहे। कार्यक्रम में आईआरआईए के अध्यक्ष व एम्स रायपुर रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र बोधे, अपोलो अस्पताल के रेडियोलॉजी सलाहकार डॉ. मुकुल श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पिपरसानिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. भानु प्रताप सिंह।

कैंसर पहचानने योग्य है

स्तन कैंसर अब 'छिपाने योग्य' नहीं बल्कि 'समय रहते पहचानने योग्य' रोग है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं स्तन कैंसर स्क्रीनिंग पहलों पर चर्चा की गई। रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी साथ मिलकर कार्य करती हैं, तभी रोगी को सर्वोत्तम एवं समयबद्ध उपचार मिल पाता है।

-डॉ अर्चना सिंह
एचओडी,
रेडियोलॉजी विभाग

एवीएम ग्रेजुएशन डे में कोटा विधायक श्रीवास्तव ने बच्चों को दिया आशीर्वाद

बिलासपुर। आधारशिला विद्या मंदिर में आज केजी -2 के नन्हें विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन डे मनाया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि सुजाता माणिक एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अंशुमन जैन ने किया। इस अवसर पर अभिभावकों की काउंसलर के रूप में डॉ. वर्षा पुरोहित उपस्थित रहीं। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत व स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, कविता-पाठ और लघु नाटिका से सबका मन मोह लिया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दी। विधायक अटल श्रीवास्तव तथा चेयरमैन डॉ. अजय श्रीवास्तव, नीतू श्रीवास्तव तथा रश्मि श्रीवास्तव ने अपने संदेश में कहा कि यह ग्रेजुएशन उनके जीवन की नई शुरुआत है। सभी विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी ग्रेजुएशन टोपी उछालकर इस विशेष दिन को यादगार बना दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहनीय रही।

एजुकेशन प्लस

महाशिवरात्रि
के शुभ अवसर पर शादियों के सामानों पर
MAHA DISCOUNT OFFER

खुल गया खुल गया बिलासपुर शहर का एकमात्र सस्ता बाजार खुल गया महाशिवरात्रि एवं वेडिंग सीजन पर ऑफर का पिटारा खुल गया
महाशिवरात्रि एवं शादी के शुभ अवसर पर शादी के सामानों के लिए भारी डिस्काउंट
(इससे बेहतर बिलासपुर में कहीं नहीं)

महक इलैक्ट्रानिक एण्ड फर्नीचर

बैमा नगोई रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने, नजदीक रामा ग्रीन सिटी फेस 2 गेट के पास खमतराई, बिलासपुर (छ.ग.) मो. 9691914123

एक्सचेंज आफर :- कोई भी पुराना सोफा, ऑलमारी, दिवान, बैड, टीवी, फ्रीज, एसी, वाशिंग मशीन, गैस चुल्हा, गीजर, मिक्सर ग्राइन्डर, आदि अनेक इलैक्ट्रानिक्स व फर्नीचर समान लाइयें उचित मूल्य कटवाकर नया समान ले जाइयें।

फाइनेंस सुविधा :- केवल 2000/- डाऊन पेमेंट देकर आलमीरा, T.V., सोफा-दीवान, वाशिंग मशीन, डायनिंग टेबल, फ्रीज घर ले जाएं। शेष राशि 0% ब्याज दर पर

एक्सचेंज ऑफर

आपको जानकर अति हर्ष होगा कि बैमा नगोई रोड खमतराई बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने महक इलैक्ट्रानिक्स एण्ड फर्नीचर में महाशिवरात्रि एवं वेडिंग सीजन के अवसर पर इलैक्ट्रानिक्स व फर्नीचर सामानों में भारी डिस्काउंट में विभिन्न ऑफरों के साथ विशाल सेल लगाई गई हैं।

फायनेंस सुविधा

बिलासपुर शहर का एकमात्र सस्ता बाजार महक इलैक्ट्रानिक्स एण्ड फर्नीचर में मात्र 37999/- में शादी का पूरा सामान इससे अच्छा, इससे सस्ता कहीं नहीं

बिलासपुर शहर का एक मात्र सस्ता बाजार महक इलेक्ट्रानिक्स एण्ड फर्नीचर में महाशिवरात्रि एवं वेडिंग सीजन के उपलक्ष्य में
मात्र 37999/- में शादी का पूरा सामान, इससे अच्छा-इससे सस्ता कहीं नहीं

सिल्वर पैक (39999/-)
01. फ्रीज 170 लीटर
02. Led TV 24 इंच
03. अलमारी 78 इंच फुल साईज
04. कुलर फुल साइज
05. ड्रेसिंग टेबल
06. सिलाई मशीन
07. पलंग 6x4
08. रूई, गद्दा 6x4
09. तकिया 2 पीस
10. गैस चुल्हा
11. बेड सीट 6x4

सिल्वर प्लस पैक (52999/-)
01. फ्रीज 170 लीटर
02. Led TV 32 इंच
03. अलमारी 78 इंच फुल साईज
04. कुलर फुल साइज
05. ड्रेसिंग टेबल
06. वाशिंग मशीन 6.5 किग्रा.
07. पलंग 6x4
08. डनलप गद्दा 6x4
09. तकिया 2 पीस
10. गैस चुल्हा
11. स्टील बर्तन 51 नग्र

गोल्ड पैक (69999/-)
01. दीवान 6x4
02. फ्रीज 180 लीटर
03. सोफा लक्सरी फाइव सीटर
04. Led TV Indroid 32 इंच
05. अलमारी 78 इंच फुल साइज
06. प्लास्टिक कुलर फुल साइज
07. ड्रेसिंग टेबल 6X2
08. वाशिंग मशीन
09. गद्दा डनलप 6X4
10. तकिया-2 पीस
11. गैस चुल्हा
12. शादी सामान के लिए पेटा 4X2
13. आयरन,
14. मिक्सर ग्राइंडर 500 वॉट
15. स्टील बर्तन 51 नग

गोल्ड प्लस पैक (82999/-)
01. दीवान 6X6
02. फीज 190 लीटर फ्लावर प्रिंट
03. सोफा लकारी फाइव सीटर
04. Led TV Android 40 इंच
05. अलमारी 78 इंच फुल साइज
06. कमर्शियल कुलर
07. ड्रेसिंग टेबल 6X2
08. उषा सिलाई मशीन
09. गद्दा डनलप 6X6
10. तकिया-2 पीस
11. गैस चुल्हा 2 बर्नर
12. आयरन,
13 मिक्सर ग्राइंडर 500 वॉट
14. वाशिंग मशीन 6.5 कि.ग्रा
15. बेड सीट 6X4
16. स्टील बर्तन 51 नग

मात्र 10,000/- एडवांस देकर इसी रेट पर बुकिंग करवायें।

डायमंड पैक (97999/-)
01. काउंटर दीवान 6X6
02. फ्रीज 190 लीटर फ्लावर प्रिंट
03. अलमारी अम्बर 78 इंच हैवी
04. Led TV 40 इंच एंड्राइड
05. प्लास्टिक कुलर फूल साइज
06. ड्रेसिंग टेबल 2.5X6
07. सोफा लक्सरी फूल साइज
08. गैस चुल्हा,
09. उषा सिलाई मशीन
10. गद्दा डॉ. आर्थो 4 इंच
11. तकिया 2 पीस,
12. डाइनिंग टेबल फोर सीटर
13. शादी सामान पेटा 4X2
14. स्टील बर्तन सेट 51 नग

डायमंड प्लस पैक (111999/-)
01. काउंटर दीवान 6X6
02. फ्रीज 190 लीटर फ्लावर प्रिंट
03. अम्बर ट्रीपल डोर अलमारी
04. Led TV 43 इंच एंड्राइड
05. कमर्शियल कुलर फुल साईज
06. ड्रेसिंग टेबल 2.5X6
07. सोफा लकारी फुल साइज
08. ऑटोमेटिक गैस चुल्हा 3 बर्नर
09. उषा सिलाई मशीन
10. डॉ. आर्थो केयर गद्दा 6X6
11. तकिया 2 पीस
12. सागोन डाइनिंग टेबल फोर सीटर
13. शादी सामान पेटा 4X2
14. स्टील बर्तन सेट 51 नग
15. वाशिंग मशीन 7 कि.ग्रा.

प्लैटिनम पैक (1,35,999/-)
01. काउंटर दीवान सागॉन डीजाईन 6X6.25
02. फ्रीज डबल डोर 190 लीटर फ्लोवर प्रिंट
03. सोफा लक्सरी नीलकमल,
04. ट्रिपल डोर अलमारी
05. कमर्शियल कूलर फूल साइज 150 Ltr.
06. ड्रेसिंग टेबल 6X3 फूल साइज
07. उषा सिलाई मशीन
08. स्लीपफ्रेश गद्दा 5 इंच (2 साल वारंटी)
09. Led TV Android 40 इंच
10. स्टील बर्तन सेट 51 नग
11. स्टील हैवी गैस चुल्हा थ्री बर्नर
12. सागोन डाइनिंग टेबल ग्लास टाप सिक्स सीटर लकारी
13. ओरिएंट आयरन
14. वाटर गीजर
15. शादी सामान के लिए हैवी पेटा 4X2

प्लैटिनम प्लस पैक (2,14,999/-)
01. डाइड्रोलिक दीवान 6X6
02. सेमसंग डबल डोर फ्रीज
03. सोफा लक्सरी नीलकमल
04. अम्बर ट्रिपल डोर अलमारी
05. कमर्सियल कूलर फूल साइज
06. ड्रेसिंग टेबल 6X3 फूल साइज
07. उषा सिलाई मशीन
08. केनस्टार मिक्सर ग्राइंडर
09. डॉ. आर्थो केयर गद्दा 6X6
10. एंड्राण्ड Led TV 43"
11. स्टील बर्तन सेट 51 नग
12. स्टील हैवी गैस चुल्हा श्री बर्नर
13. सागोन डाइनिंग टेबल ग्लास टाप सिक्स सीटर लकारी
14. कंपनी वाला एयर कंडीशनर 1.5 टन
15. पोलर कंपनी गीजर, 16. ओरिण्ट आयरन,
17. वाशिंग मशीन 7 कि.ग्रा. टफन ग्लास
18. शादी सामान के लिए हेवी पेटा 4x2

नोट :- 01. हमारे यहां विवाह के अवसर पर सभी सामानों में विशेष डिस्काउंट के साथ बजाज फाइनेंस, आईडीएफसी बैंक का फाईनेंस सुविधा आसान से आसान किस्तों में उपलब्ध है। 2. अकाउंट कार्य हेतु लड़की की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार।

खबर संक्षेप

स्टापेज की मांग को लेकर रेल रोको आंदोलन 21 को

बिलासपुर। वेंकट नगर और निगौरा स्टेशन में सभी ट्रेनों का स्टापेज खत्म कर दिया गया है, जिसके स्टापेज की मांग को लेकर 21 फरवरी को रेल रोको आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। रेल रोको आंदोलन का बिलासपुर रेल मंडल को आवेदन दिया गया है। इसमें बिलासपुर रेल मंडल के वेंकटनगर स्टेशन अंतर्गत कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया है कि 6 साल पहले कोरोना काल के पूर्व वेंकटनगर और निगौरा रेलवे स्टेशन में सभी एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों का स्टापेज दिया जा रहा था। बिलासपुर से इंदौर, इंदौर से बिलासपुर अप-डाउन नर्मदा एक्सप्रेस, चिरमिरी-बिलासपुर अप-डाउन ट्रेन वेंकटनगर एवं निगौरा तथा भोपाल से बिलासपुर और बिलासपुर से भोपाल पहले निगौरा स्टेशन में रूकती थी, जिसका स्टापेज वर्तमान में नहीं हो रहा है।

तेलुगू समाज का उगादी महोत्सव 19 मार्च को

बिलासपुर। तेलुगू संयुक्त समाज कल्याण समिति द्वारा 19 मार्च को तेलुगू नववर्ष (उगादी महोत्सव) का आयोजन शिव–पार्वती गार्डन, बंधवापारा तालाब, इशिका पार्क, हेमू नगर में मनाने का निश्चय किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष जी रविकन्ना ने बताया कि 19 मार्च को तेलुगू नववर्ष (उगादी महोत्सव) आयोजन के लिए समिति की बैठक ली गई। इसकी अध्यक्षता एम के पटनायक कर रहे थे। समिति के अध्यक्ष व्ही मधुसूदनराव एवं सचिव जे जगन पटनायक ने बताया कि उगादी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर विधायक अमर अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि महापौर पूजा विधानी होंगी। बैठक में समिति के बी मोहन राव, के वेंकट राव, एस श्रीनिवास राव, व्ही रवि, कमलेश करी, एन संतोष, पी भीष्म, बुड्डा रामाराव, बी श्रीनिवास राव, अमरनाथ बद्री, जी व्ही नरसिंग मूर्ति, आदि मौजूद थे।

रासेयो विशेष शिविर में बौद्धिक चर्चा

बिलासपुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम चिचिरदा में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस प्रेरणास्पद एवं चिंतन-प्रधान बौद्धिक चर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एल.के. गवेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि देवकी महंत, विशिष्ट अतिथि सुमन कौशिक , गौरी साहू, द्रौपदी कौशिक तथा चमेली सूर्यवंशी उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि देवकी महंत ने कहा कि शिक्षा ही वह आधारशिला है। सुमन कौशिक ,गौरी साहू ने इन बाधाओं को दूर करने सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

सिम्स के डॉक्टरों ने किया फाइलेरिया दवा का सेवन

बिलासपुर। मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलाए जा रहे सामूहिक दवा सेवन जागरूकता अभियान मिल का पत्थर साबित हो रहा है। इसके तहत सिम्स में अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, डॉ. मधुमिता मूर्ति तथा नोडल अधिकारी डॉ. भूपेंद्र कश्यप ने दवा सेवन कर फाइलेरिया उन्मूलन पर जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. हेमलता ठाकुर, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव एवं डॉ. समीर पैकरा, डॉ कमलजीत बाशन , अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने जागरूक किया।

नोटिस वाले मतदाताओं की सुनवाई भी पूर्ण

सूची में नाम जोड़वाने से लेकर विलोपन व संशोधन मिलाकर 33 हजार 541 आवेदन आए थे

एसआईआर के तहत दावा-आपत्तियों के निराकरण की तिथि समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

एसआईआर तहत दावा-आपत्ति दौरान आवेदनों की बौछार हो गई थी और मतदाता सूची में नाम जोड़वाने से लेकर विलोपन व संशोधन मिलाकर 33 हजार 541 आवेदन आए थे। इन दावा-आपत्तियों के निराकरण एवं जिन मतदाताओं को नोटिस जारी हुआ था उनकी सुनवाई का 14 फरवरी शनिवार आखिरी दिन रहा। अब फाइनल मतदाता सूची तैयार किया जाएगा और 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

इन दावा आपत्तियों के निराकरण के बाद प्रारंभिक प्रकाशन वाले मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे, संशोधन किए जाएंगे और कुछ मतदाताओं के नाम काटे भी जाएंगे। एसआईआर तहत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर को हुआ था और उसके बाद से निर्वाचन आयोग ने दावा आपत्ति के लिए 22 जनवरी तक तिथि निर्धारित की थी। दावा-आपत्ति दौरान जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कट गए थे या संशोधन कराना है तथा नाम सूची से कटवाने के लिए निर्धारित प्रारूपों में आवेदन जमा करना था। दावा-आपत्ति लेने के लिए क्लस्टर में बीएलओ की ड्यूटी लगाई थी और एक माह तक यह दावा आपत्ति की प्रक्रिया चली थी। इस दौरान जिले में 33 हजार 541 आवेदन आए थे। इनमें नाम जोड़वाने के लिए 27 हजार 104 तथा 509 व 5928 संशोधन, विलोपन के लिए आवेदन आए थे। इन आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है।

सुनवाई के लिए इन लोगों को दी गई थी छूट

एसआईआर दौरान नो-मेपिंग श्रेणी में आने लोगों को बीएलओ द्वारा नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलवाया गया। इसमें निर्वाचन आयोग द्वारा सरकारी कर्मचारियों, सैन्य एवं अर्द्धसैनिक कर्मियों और सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों के कर्मचारियों तथा विदेशों में अस्थाई रूप से निवास करने वाले मतदाताओं के लिए एसआईआर के सुनवाई में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट प्रदान की थी। निर्वाचन आयोग ने निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए बाहर जाने वाले पलायन करने वालों, छात्रों व अन्य व्यक्तियों सहित अस्पताल में भर्ती लोगों को सुनवाई में उपस्थिति से छूट दी थी। सरकारी कर्मचारी, सैन्य अर्द्धसैनिक कर्मी या राज्य से बाहर तैनात सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारी तथा अध्ययन, अधिकारिक कार्य, चिकित्सा या अन्य उद्देश्य से विदेश में रहने वाले मतदाताओं को भी एसआईआर सुनवाई में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दी गई थी और उनकी जगह पर उनके परिवार के सदस्य दस्तावेज जमा कर सकते थे।

क्रमश: 1.5 एमएलडी और 2.5 एमएलडी दूषित जल का उपचार किया जा रहा

सफेद हाथी साबित हो रहे दोमुहानी चिल्हाटी स्थित ट्रीटमेंट प्लांट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दोमुहानी-चिल्हाटी में स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के रखरखाव पर सालाना लगभग दो करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जबकि पूरे शहर की सीवरेज परियोजना 17 साल से अधूरी है। अब नगर निगम ने एक बार फिर इन दोनों प्लांटों के मेंटेनेंस के लिए 3 करोड़ 24 लाख रुपए की प्रावधान रखा है। सामान्य सभा में इसे पास भी कर दिया गया है। जाहिर है सफेद हाथी साबित हो रहे दोनों ट्रीटमेंट प्लांट में एक बार फिर करोड़ों रुपए फूंके जाएंगे।

- **मरम्मत पर खर्च होंगे अब सालाना सवा तीन करोड़**

शहर में साल 2008 में केंद्र सरकार की फंडिंग से 422 करोड़ की सीवरेज परियोजना शुरू की गई थी, जिसके दो जोन का क्रमशः 2013 एवं 2018 में लोकार्पण हो चुके हैं। योजना के अंतर्गत चिल्हाटी में 17 एमएलडी तथा दोमुंहानी में 54 एमएलडी के एसटीपी की स्थापना की गई है। विडंबना है कि प्रोजेक्ट के संचालन के 8 साल बाद भी एसटीपी की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है। उक्त संयंत्रों से क्रमशः 1.5 एमएलडी और 2.5 एमएलडी ही दूषित जल का उपचार किया जा रहा है। यह संयंत्र की उपचार क्षमता की तुलना में अत्यंत कम है। सीवरेज प्रोजेक्ट अधूरा होने के कारण यूजर चार्जेस की वसूली भी नहीं हो पा रही है। वहीं एसटीपी के संचालन में सालाना अब सवा तीन करोड़ से अधिक खर्च होंगे।

नेटवर्क पूरी तरह चालू ही नहीं हुआ

देखा जाए तो 17 साल बाद भी सीवरेज प्रोजेक्ट अधूरा है लेकिन नगर निगम करोड़ों रुपए मेंटेनेंस और कंसल्टेंसी के नाम पर खर्च कर रहा है। स्थिति यह है कि न तो मुख्य ट्रंक लाइनें तैयार हुई हैं, न ही सीवरेज नेटवर्क पूरी तरह चालू हुआ है। बावजूद इसके एसटीपी व एसपीएस के संचालन व रखरखाव पर हर साल करोड़ों रुपए की राशि खर्च की जा रही है। निगम के मुताबिक ही कुल 4 एसपीएस बने हैं इसमें 3 ही संचालित। इसके मेंटेनेंस के लिए सवा तीन करोड़ का प्रस्ताव पास हुआ है।

प्रोजेक्ट का करीब 45 करोड़ का काम बाकी

इसके साथ ही सीवरेज प्रोजेक्ट अधूरा है, इसलिए एसटीपी की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है। नेटवर्क संबंधी समस्या के चलते हाउस कनेक्शन नहीं दिए जा सके हैं। ज्यादातर घरों के टायलेट घर के पीछे हैं और सीवरेज की पाइप लाइन सामने से गुजरी है, इसलिए लोग अपने घर के बीच से पाइप लाइन बाहर निकालने के प्रति दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। प्रोजेक्ट के करीब 45 करोड़ का काम बाकी है। जवाली नाला पंपिंग स्टेशन का काम ठप पड़ा है। व्यापार विहार और विनोबा नगर में पाइप लाइन बिछाने का काम जरूर कागजों में चल रहा है। राजकिशोर नगर में हाउस कनेक्शन और प्रापर्टी चैंबर बनाने की बात कही जा रही है।

यह है प्रोजेक्ट में पूरी समस्या

प्रोजेक्ट के अंतर्गत पिछले 18 वर्षों में शहर में 232 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाई गई, परंतु केवल 1 किलो मीटर पाइप लाइन की हाइड्रोलिक टेस्टिंग की गई। प्रोजेक्ट की क्षमता 40 हजार कनेक्शन की है, परंतु अब तक 4400 कनेक्शन देने का दावा किया गया है। सरकंडा क्षेत्र में नेटवर्क संबंधी समस्या के चलते निकासी ठप होने पर 2800 घरों के कनेक्शन निकाल दिए गए। आरोप है कि पाइप लाइन बिछाने के बाद शहर में सड़कों के सुधार, डामरीकरण एवं अन्य निर्माण के दौरान मेनहोल, पाइप लाइनें दब गईं। जोन 1 (ए) के अंतर्गत जवाली नाला, मंगला और शांतिनगर का पंपिंग स्टेशन अधूरा होने के कारण घरों के कनेक्शन नहीं दिए जा सके हैं। वहीं 23 हजार प्रापर्टी चैंबर का काम अधूरा है। सीवरेज का नेटवर्क नहीं होने के कारण कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं।

बचे काम पूरा कराने की हो रही कोशिश

दोमुहानी-चिल्हाटी में स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के रखरखाव के लिए 323. 69 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति सामान्य सभा में पास की गई है। सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत बचे हुए काम को गुणवत्ता पूर्ण और जल्दी पूरा कराने की कोशिश जारी है।

- श्रीमती पूजा विधानी, महापौर

बाजार में उमड़ा शहर, कई सड़कों पर पैर रखने की जगह नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

चांटीडीह में हर साल महाशिवरात्रि पर मेला लगा है। हर साल की तरह इस बार भी शिवरात्रि के पहले दिन सड़कों पर पूजा सामग्रियों के लिए लोगों की भीड़ रही, जिससे यातायात व्यवस्था एक बार फिर चौपट हो गई। नेहरू चौक होते हुए सीपत चौक और आरके पेट्रोल पंप तक जाम लगा रहा। शाम करीब 5 बजे से 8 बजे तक गाड़ियों का रेलमपेल दिखाई दिया, जिससे जाम में लोग आधे घंटें तक फंसे रहे। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस का कोई जवान मौजूद नहीं था।

- **सीपत चौक से आरके पेट्रोलपंप लगा रहा जाम**

शनिवार की शाम से शहर की ज्यादातर तक सड़कें गाड़ियों से पटी रही, इस दौरान महाशिवरात्रि के पूजन सामग्रियों के लिए सड़क के दोनों ओर फुटपाथ पर फूल और बेल पत्र बिकते रहे और सड़क पर जाम लगता रहा। इस दौरान सबसे ज्यादा दिक्कत ज्वाली पुल में दिखने को मिली जहां चारो ओर से सड़क ब्लॉक रही और हर आने जाने वालों को परेशानी झेलनी पड़ी। शाम करीब 5 बजे से सीपत चौक से सरकंडा, बहतराई सड़क, आरके पेट्रोल पंप, मोपका तक सड़क जाम रही, इस दौरान सड़क का एक हिस्सा पूरी तरह से खचाखच गाड़ियां से भरा रहा, ऐसे में जल्दबाजी में लोगों ने नियमों को ताक पर रख डिवाइडर के ऊपर से गाड़ियों चढ़ाना शुरू कर दिया। सड़क पर बेहद अफरा-तफरा का माहौल था। सबसे ज्यादा दिक्कत यह ही कि इस दौरान गली मोहल्ले की सड़क के भी पैक रही, कपिल नगर, राजस्व कालोनी, चांटीडीह जैसे जगहों से निकलने में भी लोगों को मुसीबत झेलनी पड़ी है।

ट्रैफिक पुलिस रही नदारद

खास बात यह है कि शिवरात्रि के पर्व पर सड़क पर जाम लगना लाजिमी है, ऐसे में यातायात विभाग को जिम्मेदारी समझते हुए जवानों को तैनाती करनी थी लेकिन इस बार भी यातायात पुलिस नदारद रही, जिसके चलते कई वाहन चालक मनमानी करते हुए ट्रैफिक का मुंह चिढ़ाते रहे। बड़ी-बड़ी कारों को सड़कों पर पार्क कर बेजा तौर पर सड़क को बाधित कर दिया गया, जिसके चलते हर आने जाने वाले को समस्या होती रही।

मेले में भी नहीं दिखती पुलिस

चांटीडीह का मेला 3 दिवस का रहता है, यहां लाखों की तादाद में लोग मनोरंजन के लिए पहुंचते है। मेला परिसर में ही भगवान शिव का प्राचीन मंदिर है जिसमें आस्था के चलते लोगों के द्वारा अभिषेक किया जाता है। इस दौरान मेले में भी सुरक्षा नगण्य ही रहती है। मेले में पुलिस के जवान दिखाई नहीं देते हैं।

मेले के कारण भीड़ थी

चांटीडीह का मेला शुरू हो चुका है, जिसके चलते शाम को सड़कों पर वाहनों की कतार लगी थी। कुछ ही देर में रास्ता खाली कराया गया है।

-**रामगोपाल करिहारे**, एडिशनल एसपी, यातायात पुलिस

बाइक ने पीछे से दूसरी बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

बिलासपुर। तेज रफ्तार बाइक चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पीछे से दूसरे बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सिविल लाइन थाना के प्रधान आरक्षक घनश्याम आडिल ने बताया, मंगला दीनदयाल कालोनी निवासी संजय मरकाम पिता जयपाल मरकाम 33 साल शुक्रवार को काम से रोजगार कार्यालय गए थे। काम निपटाने के बाद शाम को अपने बाइक से वापस घर जा रहे थे। दीनदयाल कालोनी बिजली सब स्टेशन के पास पीछे से आ रहे एक अन्य बाइक चालक ने तेज गति से लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में संजय मरकाम गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर परिजन के द्वारा उसे इलाज के लिए निजी हास्पिटल ले जाया गया। जहां उनकी स्थिति को देखते सिम्स रिफर कर दिया गया। सिम्स आने पर डाक्टर ने परिक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। शनिवार को पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कार की टक्कर से इंजीनियर घायल

रतनपुर टीआई निलेश पाण्डेय ने बताया, सरकण्डा विजयापुरम निवासी आशीष कमलेश पिता एसआर कमलेश 35 साल प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग में इंजीनियर है। शनिवार की सुबह एक्टिवा में दौरे पर बेलगहना की ओर जा रहे थे। रतनपुर खंडोबा मंदिर के पास अज्ञात कार के चालक ने तेज गति से लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए उनकी एक्टिवा को टक्कर मारकर भाग गया। हादसे में श्री कमलेश गंभीर रूप से घायल हो गए। सिर में हेमलेट लगाने से उनकी जान बच गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी एक्टीवा के परखच्चे उड़ गए हैं।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 5 बाइक जब्त

बिलासपुर। सिम्स की पार्किंग से सिलसिलेवार बाइक, स्कूटी चोरी करने वाले दो नाबालिग व खरीददार को पकड़ने में सशक्त एप के माध्यम से पुलिस को सफलता मिल गई है। पुलिस ने तीनों के कब्जे से चोरी की 5 बाइक जब्त किया है। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ समय से सिम्स के पार्किंग से लगातार बाइक व स्कूटी चोरी हो रही थी। पुलिस बाइक चोरों की पतासाजी कर रही थी। 21 जनवरी को सरकण्डा पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो नाबालिग को शराब के नशे में बाइक चलाते हुए पकड़ा गया था। सशक्त एप के माध्यम से उक्त बाइक कोतवाली क्षेत्र से चोरी होना पाया गया। पुलिस ने नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई बरतने पर दोनों ने सिम्स के पार्किंग से बाइक चोरी करना स्वीकार कर लिया है। एक बाइक सरकण्डा निवासी अलताफ उर्फ मोमिन पिता मोहम्मद आलम को बेचना बताया। खरीददार को पकड़कर उक्त बाइक व नाबालिगों से चोरी की चार बाइक बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जब्त वाहन

- एक्टिवा क्रमांक सीजी 12 एजे, 5669
- पल्सर क्रमांक सीजी 10 एबी, 4435
- एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी 10 एजी, 3732
- हीरो होण्डा पैशन क्रमांक सीजी 10 ईके, 3906
- एक काले रंग की एक्टिवा बिना नम्बर

अशांति फैलाने वालों व अड्डेबाजों पर पुलिस की कार्रवाई, 6 गिरफ्तार

बिलासपुर। सिरगिट्टी पुलिस ने क्षेत्र अशांति फैलाने वालों व अड्डेबाजों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है। इस दौरान बदमाशों की जमकर खातिरदारी कर उठक बैठक करवाई गई। पुलिस ने 6 बदमाश युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

सिरगिट्टी पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने, लड़ाई झगड़ा रोकने एवं सार्वजनिक स्थानों पर जमावड़ा बनाकर आने जाने वाले राहगीरों को परेशान करने वाले अड्डेबाजों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार को टीआई किशोर केंवट ने स्टाफ के साथ बाइक पेट्रोलिंग कर नशेड़ियों के अड्डे में दबिश दी। पुलिस को देखकर नशेड़ी भागने लगे, पुलिस ने दौड़ाकर नशेड़ियों को पकड़ा और जमकर खातिरदारी कर उठक बैठक कराई। पुलिस ने सागर सिंह पिता लालू सिंह 18 साल गणेशनगर चुचुहियापारा, रजत दुबे पिता संतोष दुबे 23 साल

गणेशनगर चुचुहियापारा, रितक दुबे पिता संतोष दुबे 24 साल गणेश नगर, इरफान खान उर्फ बघीरा पिता रिजवान खान 19 साल नयापारा, मनोज पटेल पिता अनिल पटेल 31 साल खुडुभाठा मस्तूरी, राज लाल सिंह पिता सुखराम सिंह मरावी 22 साल को गिरफ्तार प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

चक्काजामः कांग्रेस के शहर व ग्रामीण अध्यक्ष पर जुर्म दर्ज

बिलासपुर। लिंगियाडीह में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कांग्रेस द्वारा विरोध किए जाने पर राजनीति गरमा गई है।

शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं ने ननि की सामान्य सभा के दौरान मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर जमकर हंगामा मचाया था, शनिवार को पुलिस ने इस मामले में कांग्रेस के शहर व ग्रामीण अध्यक्ष सहित अन्य लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को लखीराम आडीटोरियम में नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक चल रही थी। इस दौरान लिंगियाडीह में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व पानी की अव्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेताओं ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद क्षेत्र के लोगों के साथ कांग्रेस नेताओं ने ऑडीटोरियम के सामने मुख्यमार्ग में धरना प्रर्दशन शुरू किया। ऑडिटोरियम के बाहर मुख्य मार्ग पर जिनके अतिक्रमण में मकान टूटे थे, उनको लेकर कांग्रेस

- **लिंगियाडीह में अतिक्रण हटाने का कर रहे थे विरोध**

नेता और स्थानीय पार्षद धरना देकर हंगामा मचाने लगे। शहर के व्यस्त मार्ग मिशन अस्पताल रोड में रोड को भी जाम कर दिया गया था। इस दौरान महापौर पूजा विधानी सदन छोड़कर आंदोलनकारियों से मिलने पहुंचीं और उनकी समस्या सुनी। धरना के दौरान लोगों को आवागमन में करने में भारी परेशानियों का करना पड़ा था। टीआई एसआर साहू ने बताया चक्काजाम करने वाले कांग्रेस के शहर अध्यक्ष सिद्धांशु मिश्रा, ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री, पार्षद दिलीप पाटिल एवं अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 191, 2, 126, 2 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। कांग्रेस नेताओं पर जुर्म दर्ज होने से शहर की राजनीति गरमा गई है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के नेता सीधे सीधे आमने सामने आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि लिंगियाडीह में अतिक्रमण हटाने की नगर निगम द्वारा की जा रही कार्रवाई का स्थानीय लोगों के साथ कांग्रेस के नेता लंबे समय से विरोध कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

पुलवामा के शहीदों को कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

लोरमी। मेडिकल टीम एवं पुलिस के द्वारा पुलवामा हमले के शहीदों को नमन करते हुए गांधी प्रतिमा के पास दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल, डॉक्टर विनय मिश्रा, मेडिकल टीम के अध्यक्ष मिंटू छाबड़ा, जीवन साहू, अभिलाष जायसवाल, रोशन सिंह राजपूत, मुकेश कश्यप, लोरमी थाना से सहायक उप निरीक्षक रामकुमारी यादव,प्रधान आरक्षक जय प्रकाश दुबे, आरक्षक राजू साहू, कवि प्रकाश टोप्पो, अजय जायसवाल, रवि साहू, नरेंद्र सिंह, श्रीवास, राजेश झारिया आदि उपस्थित थे।

रानीगांव प्रायमरी स्कूल में पालक सम्मेलन

लोरमी। रानीगांव के प्राथमिक शाला प्रांगड़ में पालक सम्मेलन का आयोजन किया गया। समुदाय की शिक्षा में सहभागिता बढ़ाने, समुदाय को शिक्षा के प्रति जागरूक करने, समग्र शिक्षा की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सुजीत वर्मा, सभापति राजेंद्र सलूजा, बीईओ मनीषा पाटले, जिला से प्रतिनिधि के रूप में एपीसी प्रदीप उपाध्याय के साथ साथ विकासखंड के शिक्षक एवं पालक गण की उपस्थिति में स्कूल के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजन हुआ। आभार प्रदर्शन प्रधान पाठक रेखा शर्मा ने किया।

कांग्रेस के भारत बंद को मिला समर्थन, दिखा व्यापक असर

पेंड्रा। जिले में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में 12 फरवरी को आयोजित भारत बंद सफल रहा। यह बंद देश की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच द्वारा विभिन्न किसान संगठनों के सहयोग से आहूत किया गया था, जिसे कांग्रेस पार्टी ने समर्थन दिया था। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गजमती भानु के नेतृत्व में मरवाही एवं गौरेला ब्लॉक में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। सुबह से ही बाजार, निजी प्रतिष्ठान और कई व्यावसायिक गतिविधियां बंद रहीं। बंद के दौरान कहीं से भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। बंद को सफल बनाने में मरवाही ब्लॉक अध्यक्ष दया वाकरे, गौरेला ब्लॉक अध्यक्ष बलबीर सिंह, गुलाब राज, कामता बाबा, गुप्ता अफसर खान, मनीष दुबे, श्रीकांत मिश्रा, हेमनाथ, सुलेंद्र, मंडल अध्यक्ष अमित सोनी, अमित पाठक, विक्रांत रोहणी, विनय चौबे, सुनील गुप्ता, मनोज, वीरेंद्र बघेल सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एनएसएस इकाई ए प्रमाण पत्र के लिए स्वयंसेवकों ने दी परीक्षा

लोरमी। नेहा पब्लिक स्कूल छीतापार में अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर के कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज सिंहा के निर्देशन एवं जिला संगठक डॉ एनके पुरले के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सुनिल लहरे के निर्देशन में ए प्रमाण पत्र हेतु स्वयं सेवकों की वार्षिक परीक्षा हुई। परीक्षा का संचालन एनएसएस के बाह्य परीक्षक डा. रामबाबू मिश्रा, शाउ माध्यमिक विद्यालय फास्टरपुर की उपस्थिति में लिया गया। उन्होंने बच्चों से राष्ट्रीय सेवा योजना की उपयोगिता, लक्ष्य गीत, स्वामी विवेकानंद जी के जीवन के संबंध में विचार एवं परिचर्चा की। उक्त परीक्षा में 12 स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी मोहन उपाध्याय का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्यालय परिवार की ओर से अजय कुमार टंडन ने आभार व्यक्त किया।

शिव महापुराण कथा सुनने उमड़ रहे श्रद्धालु

तखतपुर। नगर में धुरी समाज द्वारा श्रीशिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचक पं. प्रेम पाण्डेय ने कहा कि माता पार्वती जब स्नान करने के लिए जा रही थीं तब घर में कोई नहीं था तब अपने घर की रक्षा के लिए मां पार्वती ने अपने शरीर पर लगे चंदन के लेप से एक मूर्ति बनाई और उसमें जान फूंक दी तब भगवान श्री गणेश का जन्म हुआ। इस अवसर पर अनिल कुमार धुरी, अशोक कुमार धुरी, दिलहरण धुरी, तेजा धुरी, किरण धुरी, सुनील धुरी, रामप्रसाद, संजय, माधो, बाला, गोल्ड, संजू, प्रेम प्रताप, गोपाल, संतोष, दुर्गेश,राकेश, राहुल, रंगीला, नकुल, शानू सहित अन्य उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि आज, शुरू होगा मल्हार का 15 दिवसीय मेला

स्वयंभू पातालेश्वर महादेव में भक्त करेंगे जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मल्हार

भगवान शिव के विशेष भक्ति का महापर्व महाशिवरात्रि पर्व रविवार को मनाया जाएगा। धर्मनगरी मल्हार के स्वयंभू भगवान पातालेश्वर महादेव में हजारों भक्त जलाभिषेक करेंगे। इसी के साथ परम्परागत 15 दिवसीय मेला भी प्रारंभ हो जाएगा। इस वर्ष भी 20 हजार से ज्यादा शिव भक्तों के आने की उम्मीद है। बोलबम, हर हर महादेव के जयकारे के साथ सैकड़ों कांवड़ियों के जत्थे भी विभिन्न पवित्र नदियों व सरोवरों से जल लाकर जभिषेक करेंगे।

चौकी प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि भारी भीड़ के मद्देनजर पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है जिसमे महिला पुलिस कर्मी भी है। वही व्यवस्था बनाने स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया जाएगा। अपने स्तर पर नगर के जनप्रतिनिधि व नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी भी मेला शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने लगे हुए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी शनिवार की रात 12 बजे से मन्दिर के द्वार खुल जाएंगे जिसके बाद लोगो का आना प्रारंभ हो जाएगा। पूरे मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है।

सज गई दुकानें

15 दिवसीय मेले के लिए सैकड़ों दुकानें पहले से ही सज गई हैं जिसमें सबसे ज्यादा मनिहारी की दुकानें है इसके अलावा, कपड़ा, बर्तन, ज्वेलरी, खिलौने, फोटो, क्रॉकरी, जूते चप्पल, होटल सहित मेले का प्रसिद्ध व्यंजन उखरा व जलेबी की दुकानें बड़ी संख्या में लगी है। वही मनोरंजन के लिए झूला, ड्रेगन ट्रेन, ब्रेक डांस, टॉय ट्रेन भी लग रहे है जो होली त्योहार तक लोगो का मनोरंजन करेंगे।

मेले में सुरक्षा के लिए दिए गए लाल रिबन

लोरमी। ग्राम पाली चौकी जूनापारा में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर पालेश्वर महादेव मंदिर मे हर साल की भांति अधिक दर्शनार्थियों के आवागमन को देखते हुए ग्रामिणों के द्वारा दो दिन पूर्व से तैयारी की जा रही है,। इसी तरह जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्र के दार्शनिक स्थलों में भी महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। कर्मचारियों को पंचायत समिति के पदाधिकारियों के माध्यम से मीटिंग लेकर शांतिपूर्ण महाशिवरात्री का पर्व मनाये जाने का संदेश दिया गया है। जूनापारा चौकी पुलिस स्टाफ द्वारा ग्राम पाली के मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, एवं पंचायत बॉडी का जूनापारा चौकी में मीटिंग लिया गया जिसमें शांति प्रबंधन के लिए बैठक हुई। पालीं पंचायत एवं जूनापारा पुलिस चौकी स्टाफ के द्वारा बनाया गया है। जूनापारा पुलिस स्टाफ द्वारा पंचायत बॉडी एवं मंदिर समिति के सदस्यों को शांतिपूर्ण मेला संपन्न कराने व शांति व्यवस्था बनाए रखने वालन्टीयर को प्रतीक चिन्ह एवं लाल रिबन प्रदान किया गया है जिसमें पाली के सरपंच कुलदीप मिश्रा, समस्त पंचायत बॉडी ग्राम पाली एवं पालेश्वर महादेव मंदिर समिति के सदस्य शामिल रहे।

कलशयात्रा के साथ शिव आराधना महोत्सव का शुभारंभ

सरगांव। माण्डूक्य ऋषि की तपःस्थली श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू में प्रतिवर्षानुसार महाशिवरात्रि पर त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ शनिवार को कलशयात्रा के साथ हुआ। महामाया मंदिर मदकू से कर्मा नर्तक दल एवं बाजे गाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें महामाया मंदिर से मदकू, ठेलकी, बासिन, बड़ियाडीह, देवाकर, लमती, किरना, मदवानी दरूवनकापा, बारगांव आदि 20 गांवों की बालिका एवं महिलाएं सम्मिलित हुई। कलशयात्रा के साथ चल रहे करमा नृत्य दल विशेष आकर्षण का केंद्र था। कलश यात्रा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक धरमलाल कौशिक सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता दी। कलशयात्रा के यज्ञमण्डप में प्रवेश के साथ यज्ञारंभ हुआ। तीन आवृत्ति रूद्राभिषेक पश्चात हवन हुआ। महोत्सव के द्वितीय दिवस महाशिवरात्रि को रूद्राभिषेक, हवन एवं रात्रि में अहोरात्र-रूद्राभिषेक किया जाएगा।

खर्राघाट, नवागांव टेमरी व आगर मोहपाड़ में लगेंगे मेले

मुंगेली। महाशिवरात्रि पर्व पर ग्राम रामगढ़ स्थित खर्राघाट एवं ग्राम नवागांव टेमरी तथा संगवाकापा आगर मोहपाड़ के पास मेले का आयोजन किया जा रहा हैं। मेले में आस-पास के व्यवसायी अपनी दुकान लगाने के लिए एक दो दिन पूर्व से ही तैयारियों में जुटे हुए हैं। क्षेत्र के शिवालय शंकर मंदिर मल्हापारा, शंकर मंदिर खर्रीपारा, सोनारपारा आदि शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओ एवं दर्शनार्थियों की भीड़ रहेगी। शिव आराधना सेवा समिति द्वारा खर्राघाट मेला में विशाल भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। आगर नदी के किनारे खर्राघाट में महाशिवरात्रि पर शिवालय में शिव भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जाती हैं। ग्राम रामगढ़ स्थित खर्राघाट में नदी किनारे देवी देवताओं के दर्जनों मंदिर स्थापित हैं। प्राचीन शिवालय राधाकृष्ण मंदिर, पालक्षत्री समाज द्वारा निर्मित शिव मंदिर, सोनकर समाज द्वारा निर्मित संतोषी माता मंदिर, दुर्गा मंदिर, नागा संतों का अखाड़ा, दुर्गा एवं काली मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती हैं। ग्राम पंचायत एवं मंदिर के पुजारी एवं ग्रामवासी मेले की व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

शिवघाट के नर्मदा कुंड में लगेगी आस्था की डुबकी

लोरमी। नगर के मनियारी नदी स्थित शिवघाट में महाशिवरात्रि पर्व पर पारम्परिक मेला लगेगा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु नर्मदा कुंड में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ लेंगे। सात दिवसीय मेला में लोग लुप्त उठाने बड़ी संख्या में लोग पहुचेंगे। उत्सव का माहौल--शिवघाट मेला में मनोरंजन के पूरे साधन है,झूला,मौत कुआँ से लेकर अन्य बच्चों के जम्पिंग जपाक व खिलौने के दुकान भी सज गये है। महाशिवरात्रि उत्सव का आयोजन-- महंत विवेक गिरी महाराज के सानिध्य में शिवघाट परिसर में प्रसिद्ध शिवलिंग के साथ प्राचीन माँ काली के मंदिर,नर्मदा मंदिर में विशेष पूजा आराधना व सन्ध्याकाल आरती का आयोजन होगा। मेला ग्रामीण अंचल में एक प्रकार से किसानों के फसल काटने के बाद ग्रामीण अंचल से लोग उत्सव मनाने परिवार सहित मेले में पहुँचते है। शिवघाट में भगवान भोलेनाथ की प्राचीन शिवलिंग के साथ हिन्दू धर्म अनेक देवी देवताओं मंदिर स्थापित है,श्रद्धलु पवित्र आस्था कुंड में डुबकी लगाने प्रातः काल 4 बजे से पहुचेंगे और पुण्य की भागीदार बनेंगे।

खेमगीर बाबा मंदिर से महाशिवरात्रि पर निकलेगी शिव की बारात

मुंगेली। महाशिवरात्रि पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। यह बारात खेमगीर बाबा मंदिर, मल्हापारा से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए खर्राघाट पहुंचेगी। खर्राघाट में विधि-विधान से शिव-पार्वती विवाह का आयोजन किया जाएगा, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहते हैं। जयमहाकाल सेवा समिति के आयोजक दीना सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष लगातार 9वें वर्ष भोलेनाथ की भव्य बारात निकाली जा रही है। महाशिवरात्रि के दिन भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जो सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर शाम 6 बजे तक चलेगा।

जरोंधा में होगा रामायण पाठ

तखतपुर। ग्राम जरोंधा में महाशिवरात्रि पर विशाल भंडारा, प्रसाद वितरण एवं रात्रिकालीन रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहेगी। भगवान शिव की पूजा-अर्चना के बाद विशाल भंडारा प्रसाद वितरण किया जाएगा। रात्रि में भक्तिमय वातावरण में रामायण पाठ का आयोजन होगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे। आयोजनकर्ताओं में शैलेन्द्र सिंह चौहान, विक्रम सिंह कतलाम, साहू कृष्णा रजक, ओम प्रकाश ध्रुव, राकेश रजक, कृष्णा यादव, प्रफुल पाण्डेय, बद्री प्रसाद, चंद्रशेखर रजक, विशाल सिंह, बसंत रजक एवं संतोष साहू सहित अन्य शामिल हैं।

बिलासपुर-मुंगेली जिले के किसानों ने किया क्षेत्रीय भ्रमण

दगोरी। नाबार्ड द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय भ्रमण जैन हाई टेक इंस्टीट्यूट, जलगांव का आयोजन एग्रोक्रेट्स सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट द्वारा किया गया। इस दो दिवसीय भ्रमण में जिला बिलासपुर तथा मुंगेली के कृषकों, ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं एवं हितधारकों ने भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी, उच्च तकनीकी कृषि उपकरणों एवं नवीनतम कृषि अभ्यासों से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। जैन हाई टेक इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने क्रिसकों को जानकारी दी गई। एसोर्ड के परियोजना संचालक गुरुचरण निर्मलकर ने बताया कि नाबार्ड के सहयोग से आयोजित यह भ्रमण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने एवं किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में सार्थक प्रयास है।

उठाव नहीं होने से बेलतरा ब्रांच में रखा लाखों बोरा धान

बेलतरा। बेलतरा ब्रांच में लाखों बोरा धान का उठाव अभी बाकी है। संस्था प्रबंधक एवं खरीदी प्रभारी हैं कि परेशान तेज गर्मी के चलते धान में सूखत का मात्रा बढ़ेगी जिससे समिति की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। बेलतरा ब्रांच में पांच समितियां एवं सात खरीदी केंद्र है। जिसमें सेवा सहकारी समिति सलका में 28 हजार, बोरा धान सेवा सहकारी समिति उच्चभट्ठी में 20 हजार बोरी धान सेवा सहकारी समिति टेकर में 15 हजार बोरा धान सेवा सहकारी समिति करमा में 50 हजार बोरा धान सेवा सहकारी समिति बांम्हू में 22500 बोरा धान एवं धान उपार्जन केंद्र अकलतरी में 23 हजार बोरा धान सेवा सहकारी समिति सलखा के धान उपार्जन केंद्र बेलतरा में 38500 बोरा धान का उठाव बाकी है।

मोहदा में उत्साह पूर्वक मनाया गया वजन त्यौहार

बिल्हा। छत्तीसगढ़ सरकार के मनसा के अनुरूप बच्चों की स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति का पता लगाने के लिए ग्राम मोहदा में वजन त्यौहार मनाया गया। जिसमें ग्रामवासी गर्भवती शिशुवती व सभी ग्रामीणों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में संरपच सरिता टण्डन उपस्थित रहीं। कार्यकर्ताओं मे राधिका सोनी, राधा साहू, पुष्पा घृतलहरे, कांती रात्रे, तेरस डहरिया, पूर्णिमा डहरिया, दृष्टि कुरें, तथा सुकृति देवी मेहर व सहयिका धनकुवर सोनी, कल्याणी तिवारी, ठगिया यादव व दुर्गा निर्मलकर तथा प्रमुख ग्रामीणो में कमल टण्डन, धरमराज पटेल, सुखमति पटेल, गनेशिया करमाकर, उकृता पटेल, प्रियंका टण्डन, रामेश्वरी महिलांगे, करीना महिलांगे, रेगनी पटेल आदि प्रमुख ग्रामीणों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डीएवी गोढ़ी में दयानंद सरस्वती की जयंती पर यज्ञ- हवन

बिल्हा। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल गोढ़ी में स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती का आयोजन किया गया जिसमें यज्ञ हवन कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएन पाण्डेय ने कहा कि महान समाज-सुधारक, वेदों के प्रचारक और आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के पावन दिवस है। यह दिन केवल उनके जन्म का स्मरण करने का नहीं, बल्कि उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने का भी दिन है। हम सब यह संकल्प लें कि हम ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और परिश्रम को अपने जीवन का आधार बनाएंगे तथा समाज की उन्नति में अपना योगदान देंगे। सभी छात्रों को खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

आवासीय विद्यालय के संचालन के लिए पालक-शिक्षक बैठक

मुंगेली। पीएमश्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बंधवा के संचालन हेतु अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य जितेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अभिभावकों को विद्यालय में चल रही शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों, बोर्ड कक्षाओं में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए अपनाई जा रही कार्य योजना तथा विद्यालय में भविष्य में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गईद्य विद्यालय प्राचार्य एवं शिक्षकों के साथ अभिभावकों ने विद्यालय एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। जिसमें अभिभावकों ने विद्यालय में आ रहे सकारात्मक बदलावों की प्रशंसा की। विद्यालय द्वारा जारी वार्षिक विद्यालय पत्रिका में विद्यार्थियों की रचनाओं को देखकर इसे सकारात्मक एवं आवश्यक पहल बताया। बैठक में अभिभावकों ने विद्यालय प्रशासन को विद्यार्थी हित में कार्य करते रहने की बात कहीं।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर की कार्यों की समीक्षा

मुंगेली। कलेक्टर ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य सचिव की मंशानुरूप सभी राजस्व संबंधी प्रकरणों का सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। रिकॉर्ड दुरुस्ती, अविवादित खाता विभाजन, सीमांकन एवं नक्शा बटांकन की कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु से पूर्व सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण कर लिया जाए, ताकि आमजनों को असुविधा न हो। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व से संबंधित प्रत्येक बिंदु की समीक्षा प्रत्येक सप्ताह की जाएगी और प्रगति के आधार पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने तहसीलदार, आर. आई. व पटवारियों से बात कर उन्हें बेहतर कार्य करने तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया।

सीपत में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग, तोखन को सौंपा ज्ञापन

सीपत। विकासखंड मस्तूरी के ग्राम सीपत में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग अब तेज हो गई है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता दिलेंद्र कौशिल ने इस संबंध में भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तोखन साहू को पत्र भेजकर सीपत में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग की है। अपने पत्र में भाजपा नेता दिलेंद्र कौशिल ने उल्लेख किया है कि ग्राम सीपत एवं आसपास की आठ ग्राम पंचायतों को मिलाकर एनटीपीसी का लगभग 4000 मेगावाट क्षमता वाला विशाल ऊर्जा संयंत्र स्थापित है। इसके कारण क्षेत्र में जनसंख्या का दबाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन बच्चों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट रूप से लिखा है कि प्रतिस्पर्धात्मक दौर में क्षेत्र के बच्चे बेहतर शैक्षणिक संसाधनों के अभाव में पिछड़ते जा रहे हैं। यदि सीपत में एक केंद्रीय विद्यालय खोला जाता है तो न केवल शिक्षा का स्तर सुधरेगा, बल्कि हजारों विद्यार्थियों का भविष्य भी सुरक्षित और उज्ज्वल हो सकेगा।